दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

कार्तिक पूर्णिमां पर चंद्रमा को जल ...8
सिद्धार्थनगर
सोमवार , 23 नवंबर 2026
वर्षः 13 अंक : 344 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

कांग्रेस के 10 साल बनाम मोदी सरकार के 10 साल, अमित शाह ने अरुणाचल के आंकड़े गिनाए

ईटानगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में अरुणाचल प्रदेश के विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया और राज्य को जरूरत के मुताबिक आर्थिक मदद भी नहीं मिली। अमित शाह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अरुणाचल प्रदेश को पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आर्थिक सहायता दी है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में राज्य में सड़क, रेल, हवाई सेवा और दूसरी बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है।

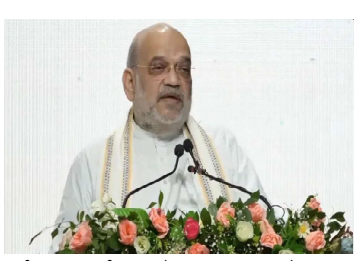

कांग्रेस सरकार के मुकाबले 5 गुना ज्यादा पैसा देने का दावा– ईटानगर में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश को केंद्र से मिली आर्थिक मदद के आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि 2004 से 2014 के बीच यूपीए सरकार के कार्यकाल में अरुणाचल प्रदेश को 33,530 करोड़ रुपये दिए गए थे। वहीं, 2014 से 2024 के बीच एनडीए सरकार के कार्यकाल में यह रकम बढ़कर 1,64,664 करोड़ रुपये हो गई। शाह के मुताबिक, राज्य को मिलने वाले टैक्स में हिस्सेदारी चार गुना बढ़ी है, जबकि अलग–अलग योजनाओं के तहत मिलने वाली आर्थिक मदद में 18 गुना बढ़ोतरी हुई है। पूर्वोत्तर में सड़क, रेल और हवाई सेवाओं का हुआ विस्तारः अमित शाह ने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में सड़क, रेल और हवाई संपर्क बेहतर हुआ है। उन्होंने कहा कि अब पूर्वोत्तर की कोई भी राज्य राजधानी बेहतर सड़क, रेल या हवाई संपर्क से अछूती नहीं है। गृह मंत्री ने कहा कि विकास का मतलब सिर्फ सड़क और इमारतें बनाना नहीं है। इसमें शिक्षा, युवाओं के लिए रोजगार, उद्योग, पर्यटन और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर की प्राकृतिक सुंदरता और संसाधनों का सही इस्तेमाल देश की तरक्की में अहम भूमिका निभा सकता है। सरकार का लक्ष्य इस क्षेत्र के लोगों का जीवन बेहतर बनाना और उनके लिए विकास के ज्यादा अवसर तैयार करना है।

12 साल में तीन गुना हुआ अरुणाचल प्रदेश का बजट

गृह मंत्री ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश का बजट पहले करीब 12 हजार करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 36 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने इसे राज्य में विकास की बढ़ती रफ्तार का संकेत बताया। शाह ने कहा कि ये आंकड़े दिखाते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पूर्वोत्तर राज्यों के विकास को कितनी प्राथमिकता दे रही है।

सीमावर्ती गांवों को बताया देश के पहले गांव

अमित शाह ने केंद्र सरकार की श्वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्रामश योजना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती गांवों को देश का आखिरी गांव कहने की पुरानी सोच बदल दी है। अब इन्हें देश के पहले गांव के रूप में देखा जाता है। शाह के मुताबिक, इस योजना के तहत अरुणाचल प्रदेश के करीब 40 गांवों में लोगों की वापसी हुई है और वहां आबादी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार इन गांवों में बिजली, स्कूल, रोजगार और दूसरी जरूरी सुविधाएं पहुंचाने पर काम कर रही है। उनका कहना है कि सीमावर्ती इलाकों का विकास सबसे पहले होना चाहिए, ताकि वहां रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

यूपी में एक्सप्रेसवे और विकास परियोजनाओं को तय समय में पूरा करने के निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की समीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अधिकारियों को राज्य में जारी और प्रस्तावित एक्सप्रेसवे, औद्योगिक तथा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्योगों को दी जाने वाली सुविधाओं, प्रोत्साहन और सब्सिडी का लाभ सीधे स्थानीय युवाओं और निवासियों तक पहुंचना चाहिए। राज्य सरकार की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने राज्य परिवर्तन आयोग की बैठक में विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल तैयार किया गया है और ऐसे में निवेश के माध्यम से सृजित होने वाले रोजगार के अवसरों का लाभ राज्य के युवाओं को मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने 88 विभागों में कार्यरत तीन लाख 10 हजार 437 आउटसोर्स कर्मचारियों के भुगतान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि नई भुगतान व्यवस्था के तहत बढ़ा हुआ पारिश्रमिक सभी कर्मचारियों को

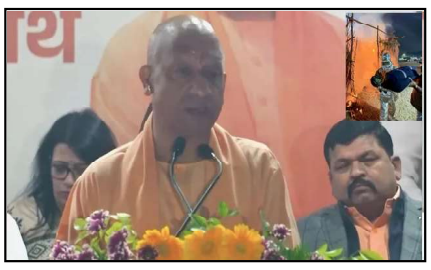

समय पर और पूरा मिले। योगी ने स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बयान के अनुसार, चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे की निविदा प्रक्रिया 30 नवंबर तक पूरी कर ली जाएगी। वहीं, फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 91.46 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। आगरा–लखनऊ–पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 82.98 प्रतिशत, झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 86.04 प्रतिशत और जेवर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 83.45 प्रतिशत भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने मेरठ–हरिद्वार और विंध्य एक्सप्रेसवे सहित अन्य परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित मल्टी–मॉडल लॉजिस्टिक्स हब की वित्तीय निविदाएं अगले दो सप्ताह में खोलने और लॉजिस्टिक्स पार्क के निर्माण कार्य में तेजी लाने को भी कहा। योगी ने गरीबी उन्मूलन अभियान के तहत चिह्नित 12.50 लाख परिवारों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। अधिकारियों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के लिए आयोजित शिविरों में श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, रियायती दरों पर भोजन और मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने नोएडा, लखनऊ और गाजियाबाद में प्रस्तावित आठ कामकाजी महिला छात्रावासों के निर्माण कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए।

बीजेपी के नारे पर अखिलेश यादव का तंज, कहा– चुनाव चिह्न कमल मुरझा चुका है

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नारे 'राधे–राधे, कमल खिला दे' पर तंज कसते हुए कहा कि इससे साफ है कि पार्टी का चुनाव चिह्न 'कमल' मुरझा गया है और उसे फिर से खिलाने की जरूरत पड़ रही है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक बयान में कहा था कि समाजवादी पार्टी के जो नेता पहले 'जय श्री राम' बोलने से कतराते थे, वे अब 'राधे–राधे' सुनकर असहज हो जाते हैं। अखिलेश ने मौर्य के बयान पर पलटवार करते हुए कहा, "मैं उन्हें (मौर्य को) अपनी जिंदगी में कभी अपने घर नहीं बुलाऊंगा। लेकिन आपका (संवाददाता का) हमारे घर स्वागत है। हम आपको 'राधे–राधे' दिखाएंगे।" उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "राधे–राधे, कमल खिला



15 जिलों में घने कोहरे की चेतावनी

लखनऊ। राजधानी में आने वाले सप्ताह की शुरुआत धुंध और घने कोहरे के साथ हो सकती है। वहीं, सोमवार से घना कोहरा छाने की संभावना है। इससे सुबह के समय वातावरण में धुंध की परत बनी रह सकती है। दृश्यता कम होने के साथ सुबह की धूप भी प्रभावित हो सकती है। नवंबर के आखिरी सप्ताह में राजधानी व आसपास के जिलों के तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है।

तेलंगाना में एसआईआर और वोट चोरी के आरोपों पर बीजेपी की रैली, नितिन नवीन करेंगे नेतृत्व

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की आलोचना और "वोट चोरी" के आरोपों के जवाब में सोमवार को यहां एक रैली का नेतृत्व करेंगे। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने यह जानकारी दी। लोकसभा में करीमनगर का प्रतिनिधित्व करने वाले संजय कुमार ने रविवार को कहा कि नवीन जिस रैली में शामिल होंगे, वह "ऐतिहासिक" होगी और इसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं आम लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके लोगों को मतदान का अधिकार देना और मतदाता सूची से एक से अधिक बार दर्ज नामों, मृतकों तथा अवैध घुसपैठियों के नाम हटाना है। संजय कुमार ने कहा कि एसआईआर को रोकने की कोशिश कर रहे सभी लोग देश के "खिलाफ" हैं। उन्होंने कहा, "देश का प्रधानमंत्री और किसी राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला देश के नागरिकों को करना चाहिए। अपने प्रतिनिधियों का चुनाव इस देश के नागरिक ही करेंगे... ।" उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "हम किसी पाकिस्तानी, बांग्लादेशी, अफगान नागरिक या किसी अन्य को इसका फैसला नहीं करने देंगे। इसीलिए एसआईआर शुरू किया गया है।" संजय कुमार ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के हालिया बयान को खारिज करते हुए आरोप लगाया कि "कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) एक हैं।"



यूपी में बीजेपी सरकार हर मोर्चे पर नाकाम

आकाश आनंद बोलेः चुनाव में जनता हाथी से बराबर करेगी हिसाब

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने रविवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार शिक्षा, सुरक्षा और रोजगार के मोर्चे पर विफल रही। उन्होंने कहा कि सरकार ने बुनियादी जनसमस्याओं की अनदेखी करते हुए विज्ञापनों पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए। आनंद ने आगरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा को वोट देने की अपील की और कहा कि उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न 'हाथी' भाजपा से हिसाब बराबर करने का माध्यम बनेगा। बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक ने राज्य सरकार में विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रतिनिधित्व पर सवाल उठाते हुए दोनों उपमुख्यमंत्रियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण और पिछड़े समुदाय के नेताओं को इन पदों पर नियुक्त करना वास्तविक राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं है। आनंद ने आरोप लगाया कि अलग–अलग



समुदायों से दो उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति से सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल जाता। उन्होंने इन पदों पर बैठे नेताओं को 'शोपीस' करार देते हुए कहा कि चुनाव के दौरान उन्हें इसलिए सामने लाया जाता है, ताकि सभी समुदायों को प्रतिनिधित्व देने का दावा किया जा सके। उत्तर प्रदेश में केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक उपमुख्यमंत्री हैं। आनंद ने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में किसी दलित को उपमुख्यमंत्री नहीं बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ दल इस समुदाय को सशक्त बनाने से बचता रहा है। बसपा नेता ने कहा, "मैंने तय किया है कि आज गुस्सा नहीं करूंगा। मैं सिर्फ सरकार का रिपोर्ट कार्ड पढ़कर सुनाऊंगा। इसे सुनकर अगर आपको हंसी आए तो जरूर हंसें, लेकिन अगर गुस्सा आए तो आगामी विधानसभा चुनाव में हमारी पार्टी के चुनाव चिह्न 'हाथी' के सामने वाला बटन दबाकर अपना हिसाब बराबर कर लें।" बसपा प्रमुख मायावती का संदेश लेकर आगरा पहुंचे आनंद ने पार्टी कार्यकर्ताओं को राजनीतिक विरोधियों के बहकावे में नहीं आने की सलाह दी। उन्होंने गुजरात के भाजपा नेताओं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, "चुनाव के मौसम में गुजरात के नेता, धार्मिक मठों से जुड़े लोग और वे लोग, जो सिर्फ इटावा के बारे में सोचते हैं, मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए आगरा आएंगे।" आनंद ने कहा, "हम किसी भी सरकार से चांद–तारे नहीं मांग रहे हैं। हम सिर्फ तीन चीजें चाहते हैं– अच्छी शिक्षा, सभी के लिए सुरक्षा और हर हाथ को रोजगार।"

पीएम से मिलने दिल्ली पहुंचे नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह, सीमा विवाद से लेकर बिजली तक होगी बात

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह भारत के दो दिवसीय राजकीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंच गए हैं। दिल्ली पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत आए बालेंद्र शाह की मार्च 2026 में पद संभालने के बाद यह पहली भारत यात्रा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी है। भारत दौरे के दौरान सोमवार को बालेंद्र शाह की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात होगी। नई दिल्ली में दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बातचीत भी होगी। इस बैठक में ऊर्जा, जलविद्युत, रेलवे, सड़क संपर्क और बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दों पर खास तौर पर चर्चा होगी। इसके अलावा नेपाल में चल रही कई परियोजनाओं का दोनों नेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन कर सकते हैं। बैठक के बाद दोनों देशों के बीच अलग–अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई अहम समझौतों और दस्तावेजों का आदान–प्रदान होने की भी संभावना है।



मेले में चाऊमीन खाना पड़ा भारी, 118 बच्चे समेत 130 लोग अस्पताल में भर्ती

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में एक मेले के दौरान चाऊमीन खाने के बाद 118 बच्चे और करीब 12 वयस्क बीमार पड़ गए। सभी को फूड पॉइजनिंग हुई। यह घटना शनिवार की है। रविवार को एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। फिलहाल सभी मरीजों की हालत खतरे से बाहर है और डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। यह मामला जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र के हिर्री गांव में लगे मेले का है। बताया गया कि मेले में कुछ लोगों ने चाऊमीन खाई थी। इसके बाद उन्हें पेट दर्द की शिकायत होने लगी।

118 बच्चों को अस्पताल में कराया गया भर्तीः जिलाधिकारी आदित्य सिंह ने बताया कि बीमार होने के बाद 118 बच्चों को तुरंत किरनापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। इनमें से 45 बच्चों को बेहतर इलाज के लिए बालाघाट जिला अस्पताल भेजा गया। वहीं, बाकी बच्चों को शुरुआती इलाज देने के बाद घर भेज दिया गया। बच्चों के अलावा करीब 12 वयस्कों को भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अर्धनारीश्वर की तस्वीर शेयर कर राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस पर साधा निशाना

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं को लेकर बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर दोनों संगठनों की आलोचना की। राहुल गांधी का आरोप है कि बीजेपी और आरएसएस को भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की बिल्कुल समझ नहीं है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर क्या लिखा?: राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा, "जितना अधिक मैं भारतीय

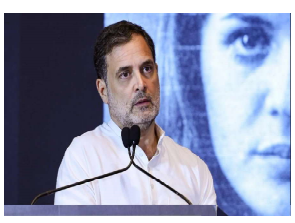

आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं को समझने की कोशिश कर रहा हूं, उतना ही यह स्पष्ट होता जा रहा है।" इस पोस्ट के साथ उन्होंने अर्धनारीश्वर की एक तस्वीर भी साझा की। यह तस्वीर महाराष्ट्र की एलिफेंटा गुफाओं में बनी उस मूर्ति की है, जिसमें भगवान शिव और माता पार्वती एक ही रूप में दिखाई देते हैं। बीजेपी और आरएसएस को बताया जातिवादी और पुरुषवादीः राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दोनों संगठनों को असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुषवादी बताया। राहुल गांधी का आरोप है कि इन संगठनों को भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की सही समझ नहीं है।

कांकेर में एसीबी की कार्रवाई, रिश्वत लेते सहायक जीएसटी आयुक्त और बिचौलिया पकड़े गए

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने राज्य माल एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग की एक सहायक आयुक्त और एक कथित बिचौलिये को 1.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एसीबी की जगदलपुर इकाई ने जाल बिछाकर सहायक आयुक्त अंचला गिरि को उनके आवास से पकड़ा। उनकी ओर से यह रकम एक बिचौलिये, इमरान मेमन (30) ने कथित तौर पर प्राप्त की थी। यह कार्रवाई कांकेर के रहने वाले शोएब रंगरेज की शिकायत पर की गई।

उन्होंने आरोप लगाया था कि ई–वे बिल से जुड़ी समस्या के कारण जब्त किए गए उनके वाहन को छोड़ने और इस मामले में राहत देने के लिए गिरि ने 1.5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।

अधिकारियों ने बताया कि इस सिलसिले में शिकायतकर्ता ने एसीबी से संपर्क किया था, जिसके बाद ब्यूरो ने शिकायत की पुष्टि की और एक जाल बिछाया। उन्होंने बताया कि इसके बाद, इस संदेह पर कि गिरि ने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों के अनुपात से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है, ब्यूरो ने उनके आवास पर तलाशी ली। इस दौरान दस्तावेजों और अन्य संपत्तियों की जांच की गई। अधिकारियों ने बताया कि गिरि और मेमन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए हैं, और आय से अधिक संपत्ति के संदेह से जुड़ी कानूनी कार्यवाही भी शुरू की जा रही है।

सांसद जगदंबिका पाल ने खुनियांव में 138 दिव्यांग बच्चों को वितरित कि;ा 195 सहायक उपकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से समेकित शिक्षा (समग्र शिक्षा) के अंतर्गत एलिम्को कानपुर के सहयोग से विकासखंड खुनियांव स्थित बीआरसी परिसर में दिव्यांग बच्चों को नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरित करने के लिए शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी मौजूद रहे।शिविर में अगस्त माह में आयोजित मापन एवं चिन्हांकन शिविर में चयनित खुनियांव के 138 दिव्यांग बच्चों को कुल 195 सहायक उपकरण वितरित किए गए। इनमें श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, ट्राईसाइकिल, एमआर टीएलएम किट, सीपी चेयर, ब्रेल किट, स्मार्ट केन और कैलिपर सहित अन्य उपकरण शामिल रहे।इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना हम सभी का दायित्व है। उपलब्ध कराए जा रहे सहायक उपकरण बच्चों की शिक्षा, आवागमन और दैनिक जीवन को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।उन्होंने कहा कि सरकार दिव्यांग बच्चों को बेहतर शैक्षिक अवसर और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार के निर्देशन तथा खंड शिक्षा अधिकारी खुनियांव तारकेश्वर पांडेय एवं जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) करुणापति त्रिपाठी की देखरेख में कार्यक्रम संपन्न हुआ। विभागीय जानकारी के अनुसार, जिले में कुल 618 दिव्यांग बच्चों को 886 सहायक उपकरण एवं उपस्कर नि:शुल्क वितरित करने का अभियान संचालित किया जा रहा है।कार्यक्रम में जयवर्धन तिवारी, सत्येंद्र प्रताप सिंह, लाला यादव, गुड्डू सिंह, भारत विश्वकर्मा, पप्पू पांडेय, आयुष दुबे, रोहन सोनी, आरसी गुप्ता, पप्पू सिंह, राज अवधेशी, राकेश प्रताप सिंह, हृषिकेश शुक्ला, राम शब्द यादव तथा राम उजागर विश्वकर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम को सफल बनाने में फिजियोथैरेपिस्ट खुर्शीद आलम, विशेष शिक्षकों की टीम तथा बीआरसी खुनियांव के कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग किया।





मेडिकल कॉलेज में ब्लैकआउट एवं एयर रेड मॉक ड्रिल, सायरन बजते ही बंद हुई बिजली

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। आपातकालीन परिस्थितियों एवं संभावित हवाई हमले से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज परिसर में ब्लैकआउट एवं एयर रेड मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। अभ्यास के दौरान सायरन बजाने, बिजली आपूर्ति बंद करने, रेड अलर्ट जारी करने, सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने तथा आग बुझाने और राहत–बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया गया।मॉक ड्रिल के तहत शाम छह बजे सायरन बजते ही निर्धारित क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बंद कर ब्लैकआउट किया गया। शाम 6रू05 बजे रेड अलर्ट जारी करते हुए दो मिनट तक चेतावनी सायरन बजाया गया। इस दौरान नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और ड्रोन से उत्पन्न काल्पनिक खतरे से निपटने का अभ्यास किया गया। शाम 6रू10 बजे ग्रीन सिग्नल के माध्यम से ऑल क्लियर घोषित किया गया।इसके बाद अग्निशमन दल ने आग बुझाने, चिकित्सा टीम ने घायलों को प्राथमिक उपचार देने तथा बचाव दल ने भवनों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभ्यास किया। सभी विभागों ने आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।मॉक ड्रिल में एनसीसी, स्काउट एवं गाइड, उत्तर प्रदेश पुलिस, फायर सर्विस, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), चिकित्सा विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, होमगार्ड तथा युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर निखिल चक्रवर्ती भी मौजूद रहे।एडीएम एवं उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा डॉ. ज्ञान प्रकाश ने बताया कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में विभिन्न विभागों की तत्परता, संसाधनों की उपलब्धता और आपसी समन्वय की क्षमता का आकलन करना है। ऐसे अभ्यास से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वास्तविक आपदा के समय त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने का व्यावहारिक अनुभव मिलता है। इससे जिले की आपदा प्रबंधन व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।



प्रदोष व्रत पर मनीष मिश्रा का बड़ा ऐलान, 310 बस्ती सदर विधानसभा से चुनाव लड़ने की घोषणा

दैनिक बुद्ध का संदेश
बस्ती। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनीष मिश्रा ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ा राजनीतिक ऐलान करते हुए 310 बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरने की घोषणा की। प्रदोष व्रत के अवसर पर फेसबुक लाइव के माध्यम से उन्होंने अपनी चुनावी मंशा सार्वजनिक की। उनके इस ऐलान के बाद समर्थकों में उत्साह और खुशी की लहर देखने को मिल रही है। वहीं राजनीतिक गलियारों में भी उनकी घोषणा को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।फेसबुक लाइव के दौरान मनीष मिश्रा ने कहा कि आज प्रदोष व्रत का पावन दिन है और इसी शुभ अवसर पर वह घोषणा करते हैं कि बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। उनकी इस घोषणा को समर्थक आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम मान रहे हैं। लंबे समय से क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों, युवाओं के बीच संपर्क और विभिन्न आयोजनों के माध्यम से सक्रिय मनीष मिश्रा ने अब अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को खुलकर सामने रख दिया है।मनीष मिश्रा को बस्ती में युवाओं के बीच लोकप्रिय चेहरा माना जाता है। उनके समर्थकों का दावा है कि उनके साथ युवाओं की बड़ी टोली जुड़ी हुई है और



महिलाओं के बीच भी उनका प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। सामाजिक कार्यक्रमों से लेकर खेल गतिविधियों तक उनकी सक्रियता ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई है। समर्थकों के बीच उन्हें युवाओं की पसंद और दिलों की धड़कन के रूप में प्रचारित किया जाता है।उनकी करीब 35 हजार युवाओं की क्रिकेट टीम को भी उनकी ताकत के रूप में देखा जा रहा है। क्रिकेट के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का उनका प्रयास केवल खेल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसे सामाजिक संपर्क और जनभागीदारी का माध्यम भी बनाया गया है। विधानसभा क्षेत्र में युवाओं के बड़े समूह के साथ जुड़ाव को उनके राजनीतिक अभियान की संभावित ताकत माना जा रहा है।महिलाओं के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए मनीष मिश्रा ने रामजी के पेड़ा के माध्यम से एक विशेष पहल की। इस अभियान के जरिए उन्होंने बड़ी संख्या में बहनों को जोड़ने का प्रयास किया। बस्ती को रामजी के शोहर के नाम से पहचान दिलाने और इस पहल को गिनीज बुक रिकॉर्ड तक पहुंचाने का दावा भी उनके समर्थकों की ओर से किया जाता है।

इस आयोजन ने उन्हें धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में भी चर्चा का विषय बनाया।समाजसेवा और सहयोग की राजनीति को आगे बढ़ाते हुए मनीष मिश्रा ने अपने दस सहयोगियों को स्कॉर्पियो–एन भेंट कर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया। इस कदम को उनके समर्थकों ने सहयोगियों के सम्मान और रिश्तों को मजबूत करने की पहल के रूप में देखा। अब आने वाले दिनों में करीब 150 सहयोगियों को बाइक देने की योजना की चर्चा भी है, जिससे उनके समर्थकों के बीच उत्सुकता और बढ़ गई है।राजनीतिक .ष्टि से मनीष मिश्रा की चुनाव लड़ने की घोषणा बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र में नए समीकरणों को जन्म दे सकती है। हालांकि चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा के बाद आगे की रणनीति, जनसंपर्क अभियान और पार्टी स्तर पर उनकी भूमिका क्या होगी, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा। फिलहाल उनके समर्थकों में उत्साह है और उनकी घोषणा ने बस्ती सदर की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है।

एक माह से गांव में गूंज रहा हरिनाम संकीर्तन, भोर तीन बजे निकलती है प्रभात फेरी

दैनिक बुद्ध का संदेश
ठूठीबारी, नौतनवा। गांव में पिछले करीब एक माह से भक्ति और आस्था की अनूठी छटा देखने को मिल रही है। प्रतिदिन भोर



तीन बजे श्रद्धालुओं की टोली हरिनाम संकीर्तन करते हुए प्रभात फेरी निकालती है। हरे राम–हरे .ष्ण के जयकारों से गांव की गलियां गूंज उठती हैं और पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है।प्रभात फेरी मंदिर से शुरू होकर गांव के विभिन्न मंदिरों तक पहुंचती है। श्रद्धालु भजन–कीर्तन करते हुए मंदिरों की परिक्रमा करते हैं और भगवान का स्मरण कर आध्यात्मिक जागरण का संदेश देते हैं। सभी मंदिरों की परिक्रमा पूरी करने के बाद टोली पुनः उसी मंदिर में पहुंचती है, जहां से प्रभात फेरी की शुरुआत होती है।इसके बाद सामूहिक हरिनाम संकीर्तन एवं पूजा–अर्चना की जाती है। धार्मिक अनुष्ठान के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया जाता है।पिछले एक माह से लगातार चल रही इस धार्मिक परंपरा में ग्रामीणों की बढ़ती सहभागिता से गांव में भक्ति, प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता की भावना मजबूत हो रही है। सुबह–सुबह गूंजते भजन–कीर्तन से गांव का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में सराबोर नजर आ रहा है।

लिटिल लावर्स स्कूल में मेधावियों के साथ अभिभावक भी सम्मानित, पीटीएम में दिखा उत्साह

दैनिक बुद्ध का संदेश
बस्ती। लिटिल लावर्स स्कूल की कटरा और मधुपुरम शाखा में शिक्षक–अभिभावक सम्मेलन (पीटीएम) का आयोजन किया गया। इस दौरान प्ले–वे से कक्षा 11वीं तक के विद्यार्थियों का अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर अंकपत्र वितरित किए गए। साथ ही अपनी–अपनी कक्षाओं में उत्.ष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र–छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों को भी प्रशस्ति चिह्न एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और अभिभावकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक सुरेंद्र प्रताप सिंह, निदेशक राहुल सिंह, प्रधानाचार्या अपर्णा सिंह एवं वंदना सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर मां सरस्वती की प्रतिमा और विद्यालय की संस्थापिका स्वर्गीय मधुरानी सिंह के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन किया गया। इसके बाद कक्षा सातवीं की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अभिभावकों का अभिनंदन किया।इसके बाद अंकपत्र और प्रशस्ति चिह्न वितरित किए गए। उत्.ष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर बच्चों और



उनके अभिभावकों के चेहरे खिल उठे। अभिभावकों ने विद्यालय के अनुशासित वातावरण, संस्कारयुक्त शिक्षा, आधुनिक शिक्षण तकनीक और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक व्यवस्था की सराहना की।प्रबंधक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास और अभिभावकों की संतुष्टि विद्यालय का सर्वोपरि लक्ष्य है। बच्चों की सफलता में विद्यालय के साथ अभिभावकों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।अभिभावक अनूप बरनवाल ने कहा कि शिक्षक–अभिभावक सम्मेलन बच्चों की सफलता में सेतु का काम करता है और उन्हें सही दिशा देने में सहायक होता है। सुरेंद्र प्रसाद यादव ने विद्यालय में बच्चों की प्रतिभा निखारने के प्रयासों की सराहना की। वहीं रश्मि श्रीवास्तव ने स्वच्छ, सुरक्षित एवं अनुशासित वातावरण के साथ आधुनिक शिक्षण संसाधनों के उपयोग को सराहनीय बताया।समापन अवसर पर प्रधानाचार्या अपर्णा सिंह एवं वंदना सिंह ने अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों, अभिभावकों, समाज और राष्ट्र की अपेक्षाओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही सभी विद्यार्थियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ समन्वयिका निष्ठा पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर तन्मय पाण्डेय, वैभव पाण्डेय, राजमणि वर्मा, सुभाष मणि तिवारी, बृजेश श्रीवास्तव, मधु सिंह, श्रद्धा सिंह, अर्पिता सिंह, रीतिका श्रीवास्तव, रीना पाण्डेय, शशि पाण्डेय सहित शिक्षक–शिक्षिकाएं एवं विद्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सोनौली में दी गई श्रद्धांजलि, बैजू यादव ने किया नमन

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनौली (महराजगंज)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सोनौली स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके राजनीतिक संघर्ष, समाजवादी विचारधारा तथा



जनसेवा के योगदान को याद किया।कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव बैजू यादव ने कहा कि नेताजी ने अपना पूरा जीवन गरीबों, किसानों, नौजवानों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित कर दिया। उनकी समाजवादी विचारधारा, संघर्ष और जनसेवा सदैव पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि नेताजी के बताए रास्ते पर चलकर ही समाजवादी विचारधारा को मजबूत किया जा सकता है।इस अवसर पर नौतनवा विधानसभा अध्यक्ष विक्रम यादव, लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष संजय कन्नौजिया, सभासद राम अचल, दिनेश, गंगा प्रजापति सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने नेताजी के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

फर्जी खबरों और दुष्प्रचार का तथ्यों के साथ जवाब दें भाजपा मीडिया एवं सोशल मीडिया टोली : चंद्रशेखर

मीडिया, आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग की बैठक में संगठनात्मक कार्यों और डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग पर हुआ मंथन

गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्यालय रानीडीहा में शनिवार को मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर जी एवं प्रदेश महामंत्री तथा गोरखपुर क्षेत्र के प्रभारी अभिजात मिश्रा की उपस्थिति में क्षेत्रीय मीडिया विभाग, आईटी एवं सोशल मीडिया टोली की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठनात्मक कार्यों, मीडिया समन्वय, डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग तथा पार्टी की नीतियों एवं उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश के संगठन महामंत्री श्री चंद्रशेखर जी ने कहा कि आज के दौर में मीडिया और सोशल मीडिया संगठन की विचारधारा एवं जनकल्याणकारी कार्यों को समाज तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं। भाजपा की मीडिया टोली को पूरी जिम्मेदारी, सजगता और तत्परता के साथ अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए फैलाए जाने वाले फर्जी समाचारों, भ्रामक सूचनाओं और दुष्प्रचार का जवाब तथ्यों एवं प्रमाणों के आधार पर दिया जाना चाहिए। किसी भी भ्रामक खबर की सत्यता की जांच कर सही तथ्यों को प्रभावी ढंग से जनता के सामने रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रियता के साथ–साथ सूचनाओं की विश्वसनीयता और उनकी प्रमाणिकता का विशेष ध्यान रखा जाए। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठनात्मक गतिविधियों को रचनात्मक एवं प्रभावशाली तरीके से जनमानस तक पहुंचाना मीडिया टोली की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

प्रदेश महामंत्री एवं गोरखपुर क्षेत्र के प्रभारी श्री अभिजात मिश्रा ने कहा कि मीडिया, आईटी और सोशल मीडिया विभाग संगठन के महत्वपूर्ण अंग हैं। तीनों विभागों के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय से संगठन की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता आधुनिक संचार माध्यमों का प्रशिक्षण लेकर उनका सकारात्मक उपयोग करें तथा पार्टी की विचारधारा, सरकार की उपलब्धियों और संगठन के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री विनोद राय ने गोरखपुर क्षेत्र में संगठन द्वारा संचालित गतिविधियों, क्षेत्रीय एवं जिला स्तर पर मीडिया विभाग के कार्यों तथा आईटी और सोशल मीडिया टोली की सक्रियता की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्ययोजनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र के सभी 12 संगठनात्मक जिलों में मीडिया, आईटी एवं सोशल मीडिया की टीमों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर संगठन के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री डॉ बच्चा पाण्डेय, राहुल श्रीवास्तव,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जय प्रकाश शाही, संजीव राय, रणजीत राय बड़े, क्षेत्रीय मंत्री ध्रुव श्रीवास्तव,सुनीता अग्रहरि, हरिकेश गुप्ता,क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी राहुल तिवारी, सह मीडिया प्रभारी चंदन आर्या, समरेंद्र विक्रम सिंह, आई टी क्षेत्रीय संयोजक समीर श्रीवास्तव, निवर्तमान संयोजक अनादि प्रिय पाठक, सोशल मीडिया संयोजक सूरज निगम, क्षेत्रीय सदस्य शक्ति सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सुलहनामा के अगले दिन दर्ज हुई एफआईआर, हेड कांस्टेबल पर 40 हजार रुपये मांगने का आरोप!

दैनिक बुद्ध का संदेश
कुशीनगर। तरयासुजान थाना क्षेत्र के अहिरौलीदान में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हुए हैं। आरोप है कि दो पक्षों के बीच 15 नवंबर को लिखित सुलहनामा होने के बावजूद अगले दिन 16 नवंबर को एफआईआर दर्ज कर दी गई। शिकायतकर्ता ने हल्का नंबर चार में तैनात हेड कांस्टेबल आशुतोष पांडेय पर मामला निपटाने के एवज में 40 हजार रुपये मांगने का गंभीर आरोप लगाया है। मामले ने पुलिस महकमे में हलचल बढ़ा दी है।

नेताजी मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सागर पाठक के नेतृत्व में दी गई श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के

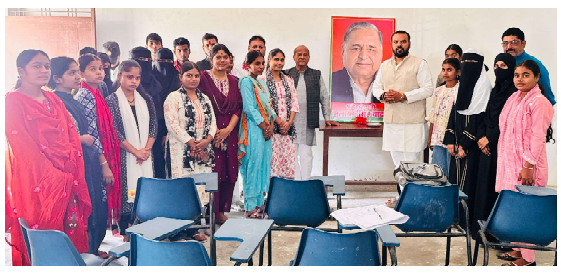

बढ़नी ब्लॉक अंतर्गत सेवरा भरौली स्थित सुभद्रा नाथ कन्या महाविद्यालय में शनिवार को समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव की जयंती मनाई गई। समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सागर पाठक के नेतृत्व एवं संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सागर पाठक ने नेताजी के संघर्षपूर्ण जीवन, राजनीतिक योगदान और समाजवादी विचारधारा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव का संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता, भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने किसानों, गरीबों, मजदूरों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और नौजवानों के हितों के लिए सदैव आवाज बुलंद की। सागर पाठक ने कहा कि नेताजी के विचार और संघर्ष समाजवादी कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेंगे। उनके बताए रास्ते पर चलकर समाजवादी विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाना ही नेताजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद पाठक, कमलेश पांडेय, विजय उपाध्याय, अमन पांडेय, गौरव पाठक, रोशन गुप्ता, प्रिंस चौधरी सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं, नौजवान एवं समाजवादी विचारधारा से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन नेताजी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

सीता स्वयंवर से रावण वध तक की लीला का हुआ सजीव मंचन

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर।जोगिया ब्लॉक के पोखरभिटवा में आयोजित रामलीला में शनिवार की रात भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने सीता स्वयंवर, सीता हरण, सुग्रीव–राम मित्रता और लंका दहन की



लीला प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामलीला देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और क्षेत्रीय लोग पहुंचे। मंचन की शुरुआत सीता स्वयंवर के प्रसंग से हुई। भगवान श्रीराम द्वारा शिव धनुष भंग करने और माता सीता के साथ विवाह का .श्य देखकर दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। इसके बाद रावण द्वारा माता सीता के हरण, वन में श्रीराम की व्याकुलता और हनुमान जी के माध्यम से सुग्रीव से मित्रता के प्रसंगों का मंचन हुआ। वानर सेना के सहयोग से लंका पहुंचने और हनुमान जी द्वारा लंका दहन के .श्य ने दर्शकों में विशेष उत्साह भर दिया। वहीं, रविवार को दिन में आयोजित मेले के दौरान रामलीला में युद्ध प्रसंगों का मंचन किया गया। भगवान श्रीराम की सेना और रावण की सेना के बीच भीषण युद्ध का .श्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद कुंभकरण वध, मेघनाद वध और अंत में रावण वध का जीवंत मंचन हुआ। अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक रावण वध के साथ ही पूरा मेला परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। रामलीला और मेले में आसपास के गांवों के साथ दूर–दराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मेले में लगी दुकानों पर लोगों ने खरीदारी की, वहीं बच्चों ने भी खूब आनंद लिया। धार्मिक मंचन और मेले के आयोजन से पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

बांसी–बेलौहा मार्ग पर सुभाईनगवा में दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर, तीन गंभीर घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। बांसी–बेलौहा मार्ग पर सुभाईनगवा के पास रविवार को दो बाइक की आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे



में दोनों बाइक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर थाना खेसरहा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा पहुंचाया। घायलों की पहचान सुभाईनगवा निवासी सोनू (32) पुत्र जवाहर और उनके साथ बाइक पर सवार शिवांशु (12) पुत्र सोनू के रूप में हुई है। दूसरी बाइक पर सवार नसीम (30) निवासी पिपरा पडरूपुर, थाना बांसी भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राम.ष्ण मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की मदद से तीनों घायलों को सीएचसी खेसरहा लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। घायलों की गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने तीनों को तत्काल जिला अस्पताल सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया।हादसे की जानकारी मिलने के बाद सीओ बांसी शुभेंदु सिंह भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा पहुंचे और घायलों के उपचार की जानकारी ली।

दीनी तालीम के लिए मशहूर है बराँव शरीफ़

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बाँसी तहसील के अन्तर्गत बराँव शरीफ़ में संचालित दारुलउलूम फ़ैज़ुर्सूल दीनी और आधुनिक तालीम के लिए पूरे देश में मशहूर है। हाल ही में यहाँ ज़ेरे तालीम हाफ़िज़ मोहम्मद इमरान रज़ा फ़ैज़ी ने गुजरात के खंबात शहर में आयोजित मुसाबक़ा ए हिज़ में पूरे मुल्क में दूसरी पोज़ीशन हासिल कर इदारे का परचम बुलंद किया है। इसी मुक़ाबले में दारुल उलूम के एक और बा सलाहियत तालिबे इल्म रफ़ीउल्लाह फ़ैज़ी ने भी नुमायाँ कारकर्दगी का मुज़ाहिरा करते हुए अपनी इल्मी सलाहियतों का लोहा मनवाया।तलबा की इस कामयाबी का सेहरा सबसे पहले नबीरए शुऐबुल औलिया हज़रत अल्लामा अलहाज मोहम्मद आसिफ़ अलवी अज़हरी, नायब सज्जादानशीन व मोहतमिम दारुल उलूम फ़ैज़ुर्सूल और प्रिंसिपल इदारा अल्लामा अलहाज अली हसन अलवी अज़हरी की आला क़यादत के सर जाता है, जिनकी सरपरस्ती और रहनुमाई में इदारा मुसलसल तालीमी तरक़्क़ी की मंज़िलें तय कर रहा है। इन तलबा की तैयारी और कामयाबी में दारुल उलूम के मौक़र उस्ताद मौलाना गुलाम मोइनुद्दीन फ़ैज़ी की ख़ुसूसी मेहनत, ही शहज़ादा–ए–शुऐबुल



ज़ाती दिलचस्पी और शब–ओ–रोज़ की मुख़लिसाना रहनुमाई भी नुमायाँ रही।कामयाबी की ख़बर दारुल उलूम पहुँचते औलिया, मुफ़क्किर–ए–इस्लाम अल्लामा गुलाम अब्दुल क़ादिर अलवी, सज्जादानशीन ख़ानक़ाह फ़ैज़ुर्सूल व नाज़िम–ए–आला दारुल उलूम फ़ैज़ुर्सूल ने बेपनाह मसर्रत का इज़हार फ़रमाया, कामयाब तलबा को दुआओं से नवाज़ा, जबकि नबीरा–ए–शुऐबुल औलिया अल्लामा मोहम्मद शुऐब अलवी अज़हरी, मोतमिद–ए–आला ख़ानक़ाह व दारुल उलूम फ़ैज़ुर्सूल ने उनकी मज़ीद हौसला–अफ़ज़ाई के लिए अपनी जानिब से इनाम का ऐलान भी फ़रमाया।तलबा की इस इल्मी कामयाबी से दारुल उलूम और ख़ानक़ाह फ़ैज़ुर्सूल के हल्क़ों में ख़ुशी की लहर दौड़ गई है। मुल्क के मुख़्तलिफ़ हिस्सों में दीनी ख़िदमात अंजाम दे रही फ़ैज़ी बिरादरी और दीगर अहबाब की जानिब से मुबारकबाद और तहनीयत का सिलसिला जारी है।इस मौक़े पर दारुल उलूम के उस्ताज मौलाना इश्तियाक़ अहमद क़ादरी ने कहा कि दारुल उलूम फ़ैज़ुर्सूल के तलबा मुसलसल कई बरसों से मुल्की सतह पर आयोजित होने वाले तालीमी मुकाबलों के प्रोग्रामों में शिरकत करके कामयाबी हासिल कर रहे हैं और इदारे का वक़ार बुलंद कर रहे हैं। ये कामयाबियाँ बानी–ए–इदारा हुज़ूर शोएबुल औलिया का फैजाने करम और प्रबंधक हज़रत अल्लामा गुलाम अब्दुल कादिर साहब की ख़ुसूसी इंतेजामात की देन हैं।

तीन दिवसीय निरीक्षण में सीएचसी खेसरहा और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की व्यवस्थाएं मिलीं संतोषजनक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। 20 नवंबर से 22 नवंबर 2026 तक लखनऊ से आई





एसआरएम टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा एवं क्षेत्र के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निरीक्षण किया। टीम में डॉ. विजय कुमार और बीपीएम हलीम शामिल रहे।निरीक्षण के प्रथम दिन टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर कड़जा, करमा और भेड़ौहा का निरीक्षण किया। दूसरे दिन आयुष्मान आरोग्य मंदिर बत्सा, नसीरगंज, मैसाचा, कठमोरवा, सुभई नगवा, भुसौला, मरवरिया और अर्जी पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तीसरे दिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मरवरिया और महुलानी का निरीक्षण किया गया।एसआरएम टीम के डॉ. विजय कुमार और बीपीएम हलीम ने निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं को ठीक एवं संतोषजनक बताया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का आकलन किया गया।इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा के अधीक्षक डॉ. संतोष कुमार गुप्ता, बीपीएम अमरनाथ गुप्ता, बीएएम ध्रुव चंद्र सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर 27 सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय



उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में रविवार को बढ़नी ब्लॉक के जियाभारी गांव में समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की 87वीं जयंती पर सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर गांधी आदर्श इंटर कॉलेज बढ़नी, श्री बृजेश्वरी इंटर कॉलेज घरुआर तथा क्षेत्र के जूनियर और प्राथमिक विद्यालयों से सेवानिवृत्त हुए 27 वरिष्ठ शिक्षकों को अंगवस्त्र और उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए मणेन्द्र मिश्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का सिद्धार्थनगर जिले से गहरा जुड़ाव रहा है। जिला कलेक्ट्रेट और लोहिया कला भवन का उद्घाटन भी नेताजी ने किया था। उनके मुख्यमंत्रित्व काल में जिले में विकास के कई महत्वपूर्ण कार्य हुए। इसके लिए जनपदवासी उन्हें सदैव याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की स्थापना की और नेताजी के जिले से जुड़ाव को और मजबूत किया। कार्यक्रम का संचालन समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव हरिनाथ यादव ने किया। इस अवसर पर जिला अल्पसंख्यक सभा के अध्यक्ष शकील शाह, प्रदेश सचिव जावेद खान, सेक्टर प्रभारी रामसेवक यादव, बूथ प्रभारी छेदी प्रसाद, पंकज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर हुआ भव्य भंडारे का आयोजन,चेयरमैन उमा अग्रवाल ने श्रद्धालुओं को वितरित किया प्रसाद





दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ के वार्ड नंबर 14, मां भारती नगर में खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में चंचल मित्तल एवं उनके सहयोगियों की ओर से भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधि–विधान से बाबा का पूजन–अर्चन कर श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद प्राप्त किया। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी उत्साह के साथ केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया और एक–दूसरे को बधाई दी गई।कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल शामिल हुईं। उन्होंने बाबा श्याम का पूजन–अर्चन कर आशीर्वाद लिया और भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। उन्होंने बाबा से सभी भक्तों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने की कामना की। इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर आयोजित ऐसे धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धालुओं को एकजुट करने के साथ ही समाज में भक्ति और आपसी सद्भाव की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं।उल्लेखनीय है कि खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी यानी देवउठनी एकादशी के अवसर पर श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इसी क्रम में मां भारती नगर में भी भक्तों ने उत्साहपूर्वक जन्मोत्सव मनाया और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम में चेयरमैन उमा अग्रवाल, भाजपा नेता श्याम जायसवाल, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, श्यामू लॉट, मुकेश पोद्दार, शनि मद्धेशिया, दिनेश यादव, मयंक पोद्दार, अमित अग्रवाल, शिवांगी मित्तल, दिविशा मित्तल, चन्दा मित्तल, मुकेश वर्मा, सर्वेश खेतान, गुड्डू पाण्डेय, सुनील शर्मा, राजू बाबा, जीतेन्द्र मद्धेशिया, दिनेश यादव सहित कस्बे के अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

दो ट्रकों के बीच फंसी एम्बुलेंस, सोनौली की यातायात व्यवस्था पर उठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली (महराजगंज)। भारत–नेपाल सीमा के सोनौली क्षेत्र में यातायात व्यवस्था की बदहाली का एक चिंताजनक .श्य सामने आया है। सोनौली कोतवाली क्षेत्र में दो ट्रकों के बीच एम्बुलेंस फंस गई, जिससे आपातकालीन वाहन के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो गई। इस घटना ने सीमा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था और सड़कों पर बेतरतीब खड़े वाहनों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।एम्बुलेंस जैसे आपातकालीन वाहन का रास्ता बाधित होना मरीजों की सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंता का विषय है। सीमा क्षेत्र में बड़े वाहनों की लगातार आवाजाही और सड़कों पर अव्यवस्थित यातायात के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में मरीज को लेकर जा रही एम्बुलेंस का रास्ते में फंसना किसी बड़ी अनहोनी का कारण बन सकता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि सीमा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही एम्बुलेंस एवं अन्य आपातकालीन वाहनों के लिए अलग से रास्ता सुगम रखा जाए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सके।

सांसद जगदंबिका पाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूज्य माताजी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सांसद जगदंबिका पाल के कैम्प कार्यालय में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूज्य माताजी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि मां जीवन की सबसे बड़ी शक्ति, संस्कारों की प्रथम पाठशाला और निःस्वार्थ प्रेम की प्रतिमूर्ति होती हैं। मां का स्नेह, त्याग, तपस्या और आशीर्वाद जीवन की अनमोल पूंजी है, जिसकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूज्य माताजी का निधन अत्यंत दुःखद एवं अपूरणीय क्षति है। इस कठिन समय में उनकी गहरी संवेदनाएं मुख्यमंत्री एवं उनके परिवार के साथ हैं।उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान देने तथा मुख्यमंत्री एवं उनके परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित अन्य लोगों ने भी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए पूज्य माताजी को नमन किया।इस अवसर पर श्रीमती डॉ. सीमा मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा गणेश लोधी, रामकेश पांडेय, गंगा मिश्रा, राधे बाबा, धनंजय सिंह, जयप्रकाश यादव, जयवर्धन तिवारी, प्रेम प्रकाश पांडेय, घनश्याम मिश्रा, महेश यादव, अशोक पाठक, राजेंद्र त्रिपाठी सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



संदिग्ध परिस्थितियों में डोईनाला में मिला वृद्ध का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हिया, सिद्धार्थनगर।चिल्हिया थाना क्षेत्र के पकड़ी ग्राम पंचायत के नौडिहवा टोले के उत्तर स्थित डोईनाला में रविवार सुबह एक वृद्ध का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव निवासी राममिलन (74) पुत्र मुरारी के रूप में हुई। उनके चेहरे पर चोट के निशान मिलने से घटना को लेकर तरह–तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।जानकारी के अनुसार, पकड़ी गांव में इन दिनों श्रीमद्भागवत कथा महापुराण का आयोजन चल रहा है। राममिलन शनिवार रात कथा सुनने गए थे, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटे। परिजनों को उनकी चिंता सताने लगी और उनकी तलाश की जा रही थी। रविवार सुबह डोईनाला में मछली पकड़ रहे कुछ लोगों की नजर पानी में पड़े शव पर पड़ी। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। शव मिलने की जानकारी पर मृतक की पत्नी ज्ञानमती और उनके तीनों बेटे लालजी, बालजीत व अमेरिका सहित अन्य परिजन भी मौके पर पहुंच गए। बेटों ने पास जाकर शव की पहचान अपने पिता के रूप में की। पिता का शव देखकर परिजन बिलख पड़े। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। राममिलन के परिवार में पत्नी और तीन पुत्र हैं। उनके चेहरे पर चोट के निशान पाए गए हैं। हालांकि, वृद्ध की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।थाना प्रभारी पवन कुमार मौर्य ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सम्पादकीय

मौत के किरदार में परिवहन

जीवन की गहमागहमी तथा बढ़ती सामाजिक गतिविधियों के अनुरूप ट्रैफिक प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता है। पर्यटन गंतव्यों तक पहुंचने की मारामारी का हश्र प्रायरू दुर्घटनाओं में हो रहा है, तो प्रमुख पर्यटक स्थलों से दस–पंद्रह किलोमीटर पहले ही वाहनों के संचालन पर विराम लगा कर आगे का सफर रज्जु मार्गों या ऐसे अन्य विकल्पों के ...

एक गहरे सदमे में छह बच्चों की मौत का खुलासा, हिमाचल की व्यवस्था को रौंद गया। चार नाबालिगों समेत में छह युवा अपनी राहों में जन्नत खोजने निकले, लेकिन जिंदगी मनोरंजन से दूर मातम के दरबार में उतर गई। मंडी के लडभड़ोल का यह हादसा पूरे प्रदेश के आस्तीन में सांप देख रहा है। कैसे हमने परिवहन को मौत का किरदार बना दिया। कमोबेश हर दिन और रात के सफर में सडक दुर्घटनाओं की चीखों में हजारों कारण सिसकते हैं, लेकिन परिवहन को अनुशासित करने के लिए कहीं कोई व्यवस्था परिवर्तन नहीं। एक मिनट के लिए हम भूल जाएं कि वाहन तीव्र गति के उन्माद में मंजिलों पर जख्म देखते हैं या ड्राइविंग का शिष्टाचार हम सीख ही नहीं पाए, फिर भी कुछ इंतजाम ऐसे भी हो सकते हैं जो सब पर नजर रखें। मरने वाले बच्चों में सबसे बड़ा अगर उन्नीस साल का रहा, तो वाहन चालन की वांछित परिपक्वता पर सवाल उठते हैं। प्रश्नों की अर्थियों में जब ये बच्चे ढोए जाएंगे, तो अभिभावकों को भी अफसोस होगा कि मौत के पथ पर क्यों कम उम्र के बच्चों को स्टेयरिंग थमा दिया गया। रात के सन्नाटे में बच्चों के गुम होने की वजह कहीं तो इनके ही परिवार से पूछी जाएगी। अफसोस यह कि दुर्घटना के घंटों बाद यातायात या क्राइम रिर्पोटिंग का तंत्र जागता है। दुर्घटना स्थल तक बचाव के रास्ते इतने कठोर और कायर कैसे हो सकते हैं कि मौत से पहले सारी चीखें गुमनाम हो गईं। हम वर्षों से मांग कर रहे हैं कि हिमाचल की सडकों पर डे एंड नाइट पैट्रोलिंग की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। बेशक हर जिला में यांत्रिक दृष्टि से सुसज्जित पुलिस के वाहन दौड़ रहे हैं, लेकिन दुर्घटना के मौके पर इत्तिला क्यों सुन्न हो जाती है। आश्चर्य यह कि भीड़ से गुजरते काफिले आम जनता को अकेला कर जाते हैं, लेकिन जनता के करीब व्यवस्या के खंडहर रह जाते हैं। न पीडब्ल्यूडी को खबर होती है कि सडक पर मौत के गड्ढे और मोड़ कहां–कहां हैं और न ही किसी एजेंसी को मालूम होता है कि दौड़ते वाहनों में कितने प्राण बचे हैं। कोविड के बाद हिमाचल में अनावश्यक वाहनों की भीड़ बढ़ी है। सडकों पर अन्य राज्यों से खारिज हुए पुराने वाहनों की तादाद में मौत के ताबूत दौड़ रहे हैं, लेकिन परिवहन विभाग का निरीक्षण कहीं आफिस में सोया रहता है। दरअसल परिवहन प्रबंधन को बेहतर अधोसंरचना, यातायात संचालन और परिवहन दबाव में समझना होगा। सडकों के किनारे बसों के ठहराव तथा पार्किंग के कारण, ड्राइविंग खुद एक द्वंद्व बन रहा है। ट्रैफिक नियंत्रण की सारी परिपाटी वीआईपी होने के कारण बाकी दिन इम्तिहान में गुजर जाते हैं। कम से कम शहरों में तो शिमला की तरह ट्रैफिक पुलिस की जगह–जगह नफरी चाहिए। इसी तरह ग्रामीण से शहर तक के चौक–चौराहों को यातायात के अनुरूप बनाना होगा। खास तौर पर फोरलेन मार्गों पर चढ़ते व उतरते यातायात को व्यवस्थित करने के लिए पुराने व नए चौराहों को मजबूत करना होगा। शहरी यातायात व्यवस्था को अलग पैमाने पर सुदृढ़ करना होगा। अब जरूरत यह भी है कि व्यक्तिगत सहूलियत में सार्वजनिक परिवहन को ज्यादा फायदेमंद बनाया जाए। खास तौर पर भीड़भाड़ वाले स्थलों, बाजारों तथा शहर के गंतव्यों को सार्वजनिक परिवहन के विभिन्न विकल्पों से जोड़ा जाए। जीवन की गहमागहमी तथा बढ़ती सामाजिक गतिविधियों के अनुरूप ट्रैफिक प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता है। पर्यटन गंतव्यों तक पहुंचने की मारामारी का हश्र प्रायरू दुर्घटनाओं में हो रहा है, तो प्रमुख पर्यटक स्थलों से दस–पंद्रह किलोमीटर पहले ही वाहनों के संचालन पर विराम लगा कर आगे का सफर रज्जु मार्गों या ऐसे अन्य विकल्पों के माध्यम से करवाना ही पड़ेगा। बहरहाल लडभड़ोल की सडक दुर्घटना ने एक बार फिर सारे कारणों को लहूलुहान किया है। मानवीय संवेदना के अक्स में यह किसी मानवीय त्रासदी से कम नहीं।

बैकुंठ चतुर्दशी : विष्णु–शिव जी की पूजा का विधान

भारत में धार्मिक व्रतों का सर्वव्यापी प्रचार रहा है। यह हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लिखित हिंदू धर्म का एक व्रत संस्कार है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को बैकुंठ चतुर्दशी कहा गया है। यदि विष्णु पूजा करनी हो तो रात में की जानी चाहिए। कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी पर हेमलम्ब वर्ष में अरुणोदय काल में ब्रह्म मुहूर्त में स्वयं विश्वेश्वर भगवान ने वाराणसी में मणिकर्णिकाघाट पर स्नान किया था, पाशुपत व्रत किया था तथा उमा के साथ विश्वेश्वर की पूजा की थी एवं विश्वेश्वर की स्थापना की थी३.

काशी विश्वनाथ स्थापना दिवस

कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी को स्वयं श्रीहरि ने वाराणसी में स्नान करके पाशुपत व्रत करके विश्वेश्वर की पूजा अर्चना की थी। तभी से इस दिन को 'काशी विश्वनाथ स्थापना दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन विधिपूर्वक जो विष्णु व शिव की पूजा करता है, उसे बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है। ये कार्तिक पूर्णिमा से एक दिन पहले होती है। पूरे साल में सिर्फ इसी दिन हरि–हर की पूजा एक साथ होती है, ऐसा बहुत कम होता है कि एक ही दिन भगवान शिव एवं भगवान विष्णु का संयुक्त रूप से पूजन किया जाए। पुराणों के अनुसार, इस दिन किए गए दान, जप आदि का दस यज्ञों के समान फल प्राप्त होता है। जीवन के अंत समय में उसे भगवान विष्णु के धाम बैकुंठ में स्थान मिलता है।

हरि–हर मिलन– इस दिन को हरि–हर मिलन के नाम से भी जाना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को बैकुंठ चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को हेमलंब वर्ष में अरुणोदय काल में, ब्रह्म मुहूर्त में स्वयं भगवान विष्णु ने वाराणसी में मणिकर्णिकाघाट पर स्नान किया था। पाशुपत व्रत करके विश्वेश्वर ने यहां पूजा की थी। भगवान शंकर ने भगवान विष्णु के तप से प्रसन्न होकर इस दिन पहले विष्णु और फिर उनकी पूजा करने वाले हर भक्त को बैकुंठ पाने का आशीर्वाद दिया। ऐसी मान्यता है कि बैकुंठाधिपति भगवान विष्णु की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और बैकुंठ धाम में निवास प्राप्त होता है। हिंदू धर्म में बैकुंठ लोक भगवान विष्णु का निवास व सुख का ध्ाम ही माना गया है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक बैकुंठ लोक चेतन्य, दिव्य व प्रकाशित है। तभी से इस दिन को काशी विश्वनाथ स्थापना दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस शुभ दिन के उपलक्ष्य में भगवान शिव तथा विष्णु की पूजा की जाती है। इसके साथ ही व्रत का पारण किया जाता है। यह बैकुंठ चौदस के नाम से भी जानी जाती है। इस दिन श्रद्धालुजन व्रत रखते हैं।

विधि– घर की उत्तर–पूर्व दिशा में हरा कपड़ा बिछाकर उस पर कांसे के लोटे में जल, दूध, सिक्के, दूर्वा, सुपारी व पीपल के पत्ते पर नारियल रखकर हरिहर कलश स्थापित करें। साथ में महादेव व विष्णु का चित्र स्थापित करके विधिवत षोड्शोपचार पूजन करें। कांसे के दीये में गाय के घी का दीपक करें, चंदन की धूप करें, विष्णु पर गोलोचन व महेश्वर पर चंदन से तिलक करें। कमल का फूल चढ़ाएं, मखाने की खीर का भोग लगाएं तथा जल, इत्र, शक्कर, दही से अभिषेक करें। विशेष मंत्रों की 1–1 माला जाप करें। पूजन के बाद भोग गाय को खिला दें।

कर्म सिद्धांत में छिपा जीवन का परम सत्य

धैर्य, आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति बनाए रखें। ईश्वर के प्रति आस्था और प्रार्थना मन को संबल प्रदान कर सकती है, लेकिन कर्म का विकल्प नहीं बन सकती। मनुष्य को न तो भाग्य के भरोसे निष्क्रिय बैठना चाहिए और न ही अपने प्रयासों के अहंकार में जीवन की अनिश्चितताओं को भूलना चाहिए। कर्म को धर्म, धैर्य को संबल और संतोष को आंतरिक शक्ति बनाकर आगे बढना ही सच्ची जीवन साधना है...

प्रारब्ध और पुरुषार्थ के बीच संघर्ष मानव जीवन का ऐसा सनातन सत्य है, जिससे शायद ही कोई व्यक्ति अछूता रहता हो। जीवन में कभी परिस्थितियां हमारी अपेक्षाओं के अनुकूल होती हैं तो कभी तमाम प्रयासों के बावजूद सफलता हमसे दूर दिखाई देती है। ऐसे में मनुष्य के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि मनुष्य के जीवन की दिशा भाग्य निर्धारित करता है अथवा उसके अपने कर्म और प्रयास? भारतीय दर्शन इस प्रश्न का उत्तर प्रारब्ध और पुरुषार्थ के संतुलित समन्वय में खोजता है। प्रारब्ध जहां मनुष्य को प्राप्त परिस्थितियों और पूर्व कर्मों के फल का बोध कराता है, वहीं पुरुषार्थ उन परिस्थितियों के बीच अपनी राह बनाने की इच्छाशक्ति, कर्मठता और संकल्प का परिचायक है। सनातन चिंतन में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को जीवन के चार पुरुषार्थ कहा गया है। इनका उद्देश्य केवल भौतिक उपलब्धियां अर्जित करना नहीं, बल्कि मनुष्य को नैतिकता, संतुलन और आत्मिक उन्नति की दिशा में अग्रसर करना है। भारतीय कर्म दर्शन में संचित कर्म पूर्व में अर्जित कर्मों का संग्रह है, प्रारब्ध उसके उस भाग को माना जाता है जिसका फल वर्तमान जीवन में प्राप्त हो रहा है, जबकि क्रियमाण कर्म वर्तमान में किए जा रहे प्रयासों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस दृष्टि से मनुष्य का वर्तमान केवल परिस्थितियों की देन नहीं, बल्कि उसके आज के कर्म भी भविष्य की संभावनाओं का निर्माण करते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण का अर्जुन को दिया गया उपदेश इस जीवन दर्शन का सबसे प्रभावशाली आधार है रू

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणिष्

अर्थात् मनुष्य का अधिकार कर्म करने में है, उसके फल पर नहीं। उसे न तो फल की आसक्ति में बंधना चाहिए और न ही परिणाम की चिंता में अपने कर्त्तव्य से विमुख होना चाहिए। गीता का यह संदेश भाग्यवाद को प्रोत्साहित नहीं करता, बल्कि मनुष्य को कर्म के प्रति निष्ठावान और परिणामों के प्रति समभाव रखने की प्रेरणा देता है।



हालांकि जीवन की प्रत्येक असफलता को व्यक्ति के कमजोर प्रयासों का परिणाम मानना भी उचित नहीं है। बेरोजगारी, आर्थिक विषमता, प्राकृतिक आपदाएं, बीमारी और अवसरों की असमान उपलब्धता जैसी परिस्थितियां मनुष्य की क्षमता और परिश्रम को प्रभावित करती हैं। ऐसे में केवल भाग्य अथवा व्यक्तिगत प्रयासों के आधार पर किसी के जीवन का मूल्यांकन करना संवेदनहीनता होगी। समाज और व्यवस्था का भी दायित्व है कि प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढने के समान अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

धर्म का वास्तविक मर्म दूसरों के संघर्ष को समझना और उनकी कठिनाइयों में सहयोग करना भी है। मनुष्य की एक बड़ी विडंबना यह भी है कि सफलता मिलने पर वह अपने पुरुषार्थ का श्रेय स्वयं को देने लगता है, जबकि असफलता आने पर प्रारब्ध को दोषी ठहराकर आत्मविश्लेषण से बचता है। वस्तुतरू सफलता में परिश्रम के साथ अवसर, सहयोग और परिस्थितियों की भी भूमिका होती है। इसलिए उपलब्धियों में विनम्रता और असफलताओं में आत्ममंथन आवश्यक है। समत्व भाव का यही वास्तविक अर्थ है कि सुख–दुख, लाभ–हानि और सफलता–असफलता के उतार–चढ़ाव में मनुष्य अपना विवेक और कर्मनिष्ठा न खोए। जीवन में इस संतुलन को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करें, लेकिन उन्हें बदलने की संभावनाओं को समाप्त न मानें। बड़े लक्ष्य को छोटे प्रयासों में विभाजित करें, नियमित अनुशासन अपनाएं और असफलता मिलने पर अपनी कार्यशैली तथा निर्णयों की समीक्षा करें। दूसरों की सफलता से ईर्ष्या करने के बजाय उनसे सीखें। धैर्य, आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति बनाए रखें। ईश्वर के प्रति आस्था और प्रार्थना मन को संबल प्रदान कर सकती है, लेकिन कर्म का विकल्प नहीं बन सकती। मनुष्य को न तो भाग्य के भरोसे निष्क्रिय बैठना चाहिए और न ही अपने प्रयासों के अहंकार में जीवन की अनिश्चितताओं को भूलना चाहिए। कर्म को धर्म, धैर्य को संबल और संतोष को आंतरिक शक्ति बनाकर आगे बढना ही सच्ची जीवन साधना है। क्योंकि प्रारब्ध हमें परिस्थितियां दे सकता है, लेकिन उन परिस्थितियों में अपने चरित्र, कर्म और जीवन की दिशा को सार्थक बनाने का अवसर पुरुषार्थ ही प्रदान करता है।

भारत जापान की नई रणनीतिक धुरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा

विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल उपदेश देना नहीं, बल्कि दुनिया को अपने आचरण, ज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से प्रभावित करना है। भारत–जापान संबंध इस यात्रा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जापान तकनीक, पूंजी, गुणवत्ता, अनुशासन और विनिर्माण संस्कृति का प्रतीक है, भारत विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, डिजिटल क्षमता, प्रतिभा और नवाचार...

ललित गर्ग ।

जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद–प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक–दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। 19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चौथी भारत–जापान 22 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व–व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत–जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति–संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम–आधारित हिंद–प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना–साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।



यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा–तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति–केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है। जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद–प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक–दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग–अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है। 19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन 'भारत 2047' की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति–निर्माताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार 'इंडिया फर्स्ट' होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का विशाल घरेलू बाजार उद्योग का 'कम्फर्ट जोन' नहीं बनना चाहिए, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का आत्मविश्वास पैदा करने वाला आधार बनना चाहिए। यहीं टोक्यो की 22 बैठक और फिक्की के मंच का अद्भुत संबंध दिखाई देता है। एक ओर राजनाथ सिंह और जयशंकर भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति को विश्व में विस्तार दे रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारतीय उद्योग को विश्व बाजार में उतरने का आह्वान कर रहे हैं। अर्थात् भारत की विदेश नीति का अगला चरण केवल 'भारत के लिए दुनिया' नहीं, बल्कि 'दुनिया के लिए भारत' बनाने का चरण है। प्रधानमंत्री का संदेश केवल उद्योगपतियों के लिए नहीं है। विकसित भारत का निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। सरकार दिशा और वातावरण तैयार कर सकती है, लेकिन आर्थिक शक्ति उद्योग पैदा करता है, नवाचार युवा पैदा करते हैं, उत्कृष्टता वैज्ञानिक और पेशेवर पैदा करते हैं तथा भारत की प्रतिष्ठा सामान्य नागरिक के व्यवहार से भी बनती है। इसलिए आज आवश्यकता है कि भारतीय उद्योगपति केवल भारत में सफल होने की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्व बाजारों में भारतीय ब्रांड की पहचान स्थापित करें। प्रधानमंत्री ने फिक्की में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को समझने, स्थानीय बाजारों के अनुरूप उत्पाद बनाने, वैश्विक मानकों को अपनाने और मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया। यह संदेश भारतीय उद्योग के लिए आर्थिक नीति से अधिक राष्ट्रीय दायित्व का संदेश है।



ऋषभ पंत के नौवें शतक से भारत ने 720 रन पर पारी घोषित की, न्यूजीलैंड पर पारी की हार का खतरा

ऋषभ पंत के रिकॉर्ड नौवें शतक की मदद से भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन रविवार को नौ विकेट पर 720 रन का विशाल स्कोर बनाकर पारी घोषित की जिसके जवाब में मेजबान टीम शुरूआती झटकों से उबरकर संभलती दिख रही है। भारत की पहली पारी में कई रिकॉर्ड टूटे। पंत दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड , आस्ट्रेलिया (एसईएनए देश) में शतक लगाने वाले एशिया के पहले विकेटकीपर और भारत के छठे बल्लेबाज बन गए।

इससे पहले केएल राहुल एसईएनए देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बने।सचिन तेंदुलकर, मोहम्मद अजहरूद्दीन, राहुल द्रविड़ और विराट कोहली यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। पंत ने इंग्लैंड में चार (ओवल पर 2018 में 118, बर्मिंघम में 2022 में 146 और लीड्स में 2025 में 134 और 118), आस्ट्रेलिया में एक (2019 में सिडनी में 159) और दक्षिण अफ्रीका में एक (2022 में केपटाउन में 100) शतक लगाया है। भारत का यह तीसरा सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है।

इससे पहले भारत ने चेन्नई में 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ सात विकेट पर 759 और 2009 में मुंबई में श्रीलंका के खिलाफ नौ विकेट पर 726 रन बनाये थे। यह विदेशी धरती पर भारत का सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है। इससे पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2004 में सिडनी टेस्ट में भारत ने सात विकेट पर 705 रन बनाये थे जो उसका सर्वोच्च स्कोर था।

चौथे दिन का खेल समाप्त होने पर डेवोन कोंवे 59 और रचिन रविंद्र 27 रन बनाकर खेल रहे थे। न्यूजीलैंड को पारी की हार से बचने के लिये अभी 233 रन और बनाने हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार लगातार सात अर्धशतकीय साझेदारियां बनी।

पहले विकेट के लिये 130, दूसरे के लिये 165, तीसरे के लिये 91, चौथे के लिये 100, पांचवें के लिये 68, छठे और सातवें विकेट के लिये क्रमशरू 75 और 54 रन की साझेदारियां बनी। इससे पहले बेसिन रिजर्व का विकेट राजकोट या रावलपिंडी की तरह लग रहा था। बुमराह ने जब नयी गेंद संभाली तो हरी भरी पिच भूरे रंग में बदल चुकी थी।

खराब दौर से गुजर रहे न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने बुमराह की गेंद पर विकेट के पीछे कैच थमाया। कोंवे और हेनरी निकोल्स (31) ने दूसरे विकेट के लिये 60 रन जोड़े और उन्हें बल्लेबाजी में कोई दिक्कत नहीं हुई। पहली पारी में जरूरत से ज्यादा शॉर्ट या फुल लैंग्थ गेंदबाजी के लिये आलोचना झेलने वाले प्रसिद्ध कृष्णा ने निकोल्स को शॉर्ट लेग पर ध्रुव जुरेल के हाथों लपकवाया।

इसके बाद कोंवे और रविंद्र ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए पारी को संभाला। इससे पहले अंशुल कम्बोज (41 गेंद में 38) ने कुछ अच्छे स्ट्रोक्स लगाये और पंत का बखूबी साथ दिया। दोनों ने 68 रन की साझेदारी की।

पंत ने अपनी पारी में छह छक्के लगाये जिनमें से चार आज जड़े गए। इनमें काइल जैमीसन को लांग आन पर लगाया गया छक्का शामिल है जो उन्होंने एक घुटने को मोड़कर जड़ा था। गेंद बेसिन रिजर्व ग्राउंड की कार पार्किंग के पास जाकर गिरी।

ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर पहले पंत ने रिवर्स स्वीप पर चौका लगाया और फिर छक्का लगाकर नौवां टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने फिलिप्स को एक्स्ट्रा कवर पर भी छक्का जड़ा। लंच के समय तक पंत दस चौके और छह छक्के लगा चुके थे।

भारत के लिये ध्रुव जुरेल ने 79 गेंद में 78 रन बनाये और पंत के साथ 75 रन की साझेदारी की। जुरेल के स्टम्प आउट होने पर भारत ने पहली पारी घोषित की।

मुंबई आतंकवादी हमलों में मारे गए ब्रिटिश उद्यमी Andreas Liveras पर पोती ने लिखी किताब

लंदन। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमलों में मारे गए एकमात्र ब्रिटिश नागरिक की पोती ने अपने दादा की याद में एक किताब लिखी है जिसमें उसने उनके जीवन के अंतिम घंटों का ब्योरा देने के साथ ही बड़ी लग्जरी नौकाओं के उद्योग में अग्रणी कारोबारी के तौर पर उनकी विरासत को संजोने की कोशिश की है। तान्या लिवेरास कैंडी की पहली किताब में उनके दादा एवं उद्यमी एंड्रियास लिवेरास के असाधारण जीवन की कहानी है। इसमें साइप्रस के एक गांव में गरीबी में बीते उनके बचपन से लेकर ब्रिटेन में एक सफल कारोबारी साम्राज्य खड़ा करने तक के सफर का वर्णन किया गया है।

यह किताब अगले सप्ताह मुंबई आतंकी हमलों की 18वीं बरसी के मौके पर जारी होगी। इसमें 26 नवंबर 2008 को मुंबई के ताजमहल पैलेस होटल में लिवेरास के जीवन के अंतिम घंटों और उससे पहले की घटनाओं का ब्योरा दिया गया है। तान्या ने 'पीटीआई' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''मेरे दादा को मुंबई हमेशा से बहुत पसंद थी।

वह कई साल पहले वहां गए थे और तभी से दोबारा जाने का मौका तलाश रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए जब भारतीय बाजार में प्रवेश करने के मकसद से ग्राहकों के मनोरंजन के लिए उनकी एक बड़ी आलीशान नौका उधार लेने के संबंध में उनसे संपर्क किया गया, तो उन्होंने तुरंत यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।'' तान्या ने मुंबई हमलों को याद करते हुए कहा, ''उस शाम वह अपने चालक दल के सदस्यों को ताज होटल के एक रेस्तरां में ले गए और दुर्भाग्य से वे आतंकवादी हमलों में फंस गए।'' तान्या के मन में इस किताब को लिखने का विचार उनके जीवन में हुई एक निजी त्रासदी के बाद आया। कठिन प्रसव के दौरान उन्होंने अपने जुड़वां बच्चों में से एक को खो दिया था। इस दुख से उबरने के लिए उन्होंने लिखना शुरू किया और धीरे–धीरे उनके लेखन ने एक व्यापक कहानी का रूप ले लिया जो 'द विजनरू वन मैन्स एक्स्ट्राऑर्डिनरी लाइफ एंड द सीज दैट शॉक्ड द वर्ल्ड' किताब बनी।

तान्या ने कहा, ''मेरे दादा की मौत 21वीं सदी के सबसे बड़े आतंकवादी हमलों में से एक का हिस्सा बन गई, लेकिन वह उनके असाधारण जीवन का केवल अंतिम अध्याय था। मैं सुर्खियों के पीछे छिपे उस व्यक्ति की कहानी बताना चाहती थी, जिसने बड़ी लग्जरी नौकाओं के उद्योग में अग्रणी भूमिका निभाई और वहां तक पहुंचने के लिए एक उल्लेखनीय सफर तय किया।'' उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि 'द विजन' पढ़कर पाठक न केवल 26ध्11 की घटनाओं और ताज होटल के भीतर जो कुछ हुआ, उसे बेहतर ढंग से समझ पाएंगे, बल्कि एंड्रियास के जीवन से प्रेरणा भी लेंगे। वे यह समझेंगे कि जीवन केवल परिस्थितियों से असाधारण नहीं बनता, बल्कि इस दौरान हमारे द्वारा लिए गए फैसले उसे असाधारण बनाते हैं।'' किताब में हमले में जीवित बचे लोगों के बयानों, साक्षात्कारों, परिवार के अभिलेखों और सत्यापित दस्तावेजों के आधार पर लिवेरास के जीवन के सफर के साथ ही ताज होटल के भीतर हुई भयावह घटनाओं को दोबारा सामने लाने की कोशिश की गई है।

तान्या को उम्मीद है कि उनकी किताब न केवल उनके दादा की विरासत को सम्मान देगी, बल्कि परिवार को उनके निधन के दुख से उबरने में भी मदद करेगी। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के कुछ सदस्य अब भी इस क्षति से उबर नहीं पाए हैं। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से समुद्री रास्ते आए 10 आतंकवादियों ने ताजमहल पैलेस होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट होटल, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस और नरीमन हाउस समेत कई स्थानों पर हमले किए थे।

ऋषभ पंत का बयान, मैदान पर रहने से खुशी मिलती है और निरंतरता पर है फोकस

दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक जड़ने वाले पहले एशियाई विकेटकीपर ऋषभ पंत ने कहा कि मैदान पर रहने से उन्हें खुशी मिलती है और वह प्रदर्शन में निरंतरता पर फोकस कर रहे हैं। पंत की मैच फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे क्योंकि वह बाजू में खिंचाव के कारण न्यूजीलैंड में भारत ए के लिये नहीं खेल सके थे। उन्हें इस टेस्ट श्रृंखला से पहले मैच अभ्यास नहीं मिल पाया।

उन्होंने अपने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए पहले टेस्ट में 153 गेंद में 128 रन बनाये। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में ब्रेंडन मैकुलम को पछाड़कर दूसरे क्रिकेटर बने पंत ने मेजबान प्रसारक से कहा ,'' मैं लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं और हर पारी में अपनी छाप छोउछ्ना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा ,'' मैं जब भी मैदान पर उतरता हूं, चाहे फील्डिंग करूं या बल्लेबाजी, मैं पूरा मजा लेना चाहता हूं। मैदान पर उतरने से मुझे खुशी मिलती है।

मुझे रोज मैदान पर उतरना अच्छा लगता है।'' पंत ने कहा ,'' लेकिन साथ ही आपको मैदान पर की जाने वाली उस कड़ी मेहनत का आनंद भी लेना होगा, क्योंकि हर दिन आपको कोई रोमांचक विकेट नहीं मिलेगी। आपको डटे रहना होगा और मेहनत करनी होगी, खासकर टेस्ट क्रिकेट में।'' उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट शतक लगाना खास था। उन्होंने कहा ,'' यह अच्छा शतक था।

मैं न्यूजीलैंड में शतक लगाना चाहता था। मेरा लक्ष्य क्रीज पर ज्यादा देर तक टिके रहना था। मैं जब भी शतक लगाने की कोशिश करता हूं तो छक्के के साथ वहां तक पहुंचना चाहता हूं।

इसकी वजह से कई बार शतक से चूका भी हूं। मैं इंतजार कर रहा था और जब मौका लगा तो मैने उसे गंवाया नहीं।''

फोन की सेटिंग बदलने के बहाने महिला की फोटो गैलरी से चुराई उसकी निजी तस्वीरें, अब आईसीई की हिरासत में रघुल आनंदकृष्णन

अमेरिका में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) ने भारतीय मूल के रघुल आनंदकृष्णन को हिरासत में लिया है। टेक्सस में एक महिला की बिना अनुमति निजी तस्वीरें लेने की कोशिश के मामले में दोषी पाए जाने के बाद उसके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। यह मामला 7 जून का है। आईसीई के मुताबिक, रघुल पहले ही काउंटी जेल में अपनी सजा काट चुका है। अब उसे इमिग्रेशन कोर्ट की कार्यवाही पूरी होने तक आईसीई की हिरासत में रखा जाएगा।

ऑस्टिन पुलिस को कैपिटल प्लाजा शॉपिंग सेंटर स्थित श्टोटल वायरलेसश स्टोर से एक शिकायत मिली थी। एक महिला ने आरोप लगाया था कि स्टोर में काम करने वाले कर्मचारी ने उसका फोन लेकर उसकी निजी तस्वीरें अपने डिवाइस पर भेजने की कोशिश की।

महिला के मुताबिक, वह



अपने फोन की सेटिंग बदलवाने के लिए स्टोर पहुंची थी। कर्मचारी ने फोन खोलने के लिए उससे पासकोड मांगा। इसके बाद उसने फोन की सेटिंग खोलने के बजाय फोटो गैलरी खोल ली और एयरड्रॉप के जरिए कुछ निजी तस्वीरें अपने डिवाइस पर भेजने की कोशिश की।

महिला ने पुलिस को बताया कि रघुल उसका फोन लेकर स्टोर के पिछले हिस्से में चला गया था। जब वह वापस आया और महिला ने अपना फोन देखा, तो उसे पता चला कि एयरड्रॉप के जरिए उसकी दो निजी तस्वीरें कर्मचारी के डिवाइस पर भेजी गई थीं।

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि कर्मचारी ने उसके स्नैपचौट अकाउंट को भी खोला और खुद को उसमें जोड़ लिया। महिला ने पुलिस को साफ बताया कि उसने कर्मचारी को अपनी निजी तस्वीरें देखने, स्नैपचौट अकाउंट खोलने या कोई भी तस्वीर अपने डिवाइस पर भेजने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद उसने कानूनी कार्रवाई की मांग की।

फोन की सेटिंग बदलवाने आई थी महिला, आरोपी ने खोल ली फोटो गैलरीः श्फॉक्स 7 ऑस्टिनश की ओर से जारी अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, 29 वर्षीय रघुल आनंदकृष्णन ने पुलिस को बताया कि महिला अपने आईफोन की नेटवर्क सेटिंग बदलवाने के लिए स्टोर आई थी। हलफनामे के अनुसार, रघुल ने जांचकर्ताओं को बताया कि तस्वीरें ट्रांसफर नहीं हो पाईं और उसने फोन वापस ग्राहक को दे दिया। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसे ग्राहक के फोन की सिर्फ नेटवर्क सेटिंग देखने की अनुमति थी। उसे फोन की तस्वीरें या दूसरी निजी जानकारी देखने की इजाजत नहीं थी।

शुरुआत में लगे थे दो आरोप, एक मामले में ठहराया गया दोषी

रघुल पर शुरुआत में दो आरोप लगाए गए थे। इनमें श्इनवेसिव विजुअल रिकॉर्डिंगश यानी बिना अनुमति किसी की आपत्तिजनक तस्वीरें या वीडियो लेने की कोशिश करना और श्कंप्यूटर सिक्योरिटी ब्रीचश यानी बिना इजाजत किसी कंप्यूटर सिस्टम या डिवाइस तक पहुंच बनाना शामिल था। हलफनामे के मुताबिक, दूसरा आरोप ग्राहक के फोन में मौजूद फोटो एप को बिना अनुमति खोलने से जुड़ा था।

आईसीई ने बताया कि बाद में रघुल को श्इनवेसिव विजुअल रिकॉर्डिंगश के प्रयास का दोषी ठहराया गया। उसने काउंटी जेल में अपनी सजा पूरी की। इसके बाद इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे हिरासत में ले लिया। अब इमिग्रेशन कोर्ट में होने वाली कार्यवाही पूरी होने तक वह आईसीई की हिरासत में रहेगा।

ऋषभ पंत को मेंटोर मानते हैं ध्रुव जुरेल , कहा उनकी आक्रामक सोच से बहुत कुछ सीखा

वेलिंगटन। ध्रुव जुरेल अपने साथी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को 'असाधारण प्रतिभा' और एक 'मेंटोर' (मार्गदर्शक) मानते हैं जिनके टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी के प्रति दृष्टिकोण का वह बारीकी से आकलन करते हैं। जुरेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन पंत के साथ मिलकर मात्र 14 ओवरों में 75 रन साझेदारी की, जिससे भारत ने बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन रिकॉर्ड नौ विकेट 720 रन बनाकर अपनी पारी समाप्त घोषित की। जुरेल ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पत्रकारों से कहा, ''ऋषभ असाधारण खिलाड़ी है।

मैं हमेशा उससे उसकी मानसिकता के बारे में पूछता रहता हूं। जब भी हम सब सोचते हैं कि वह सामान्य तरीके से खेलेगा, तभी वह आगे बढ़कर जोरदार शॉट लगा देता है। मैं उसे एक मेंटोर के रूप में देखता हूं।'' जहां पंत ने अपने शतक से सुर्खियां बटोरीं, वहीं जुरेल ने विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक और शानदार पारी खेली।

श्रीलंका में टेस्ट शतक लगाने के बाद जुरेल ने यहां केवल 79 गेंदों में 78 रन की आक्रामक पारी खेली जिससे पता चलता है कि वह विभिन्न परिस्थितियों की अनुकूल ढलने की योग्यता रखते हैं। जुरेल ने कहा ''मैं परिस्थितियों को ध्यान में रखकर खेलता हूं। परिस्थितियों से अच्छी तरह सामंजस्य से बिठाने से आत्मविश्वास बढ़ता है।

आप अलग–अलग तरह की परिस्थितियों में कैसा प्रदर्शन करते हैं यह मायने रखता है।'' जुरेल ने कहा कि वह टीम की तरफ से हर तरह की जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं फिर चाहे वह गेंदबाजी ही क्यों ना हो। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा,''जब आप देश के लिए खेलते हैं तो आप यह नहीं कह सकते कि मैं तैयार नहीं हूं। मैं गेंदबाज के रूप में भी खेलने के लिए तैयार हूं।'' जुरेल ने न्यूजीलैंड की परिस्थितियों के बारे में बात की और कहा कि यहां पिच की तुलना में मौसम की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होती है।

उन्होंने कहा, ''न्यूजीलैंड में पिच से अधिक अहमियत मौसम की होती है। यह मेरा अनुभव है, खासकर भारत ए टीम के लिए कुछ समय बिताने के बाद।'' बेसिन रिजर्व की पिच धीरे–धीरे धीमी हो रही है और इसलिए उनका मानना है कि न्यूजीलैंड के बाकी बचे आठ विकेट हासिल करने के लिए उन्हें भाग्य की भी जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा, ''विकेट धीमी होती जा रही है और इस पर गेंद नीचे रह रही है।

हमें थोड़ा किस्मत की जरूरत है। हमें ऐसी गेंदें फेंकनी होगी जिसे हम आठ विकेट ले सकें। आज हमने अच्छी रणनीति अपनाई और हम कल भी ऐसा ही करेंगे।'' जुरेल ने भारी समाप्त घोषित करने की रणनीति के बारे में कहा, ''हमारी योजना न्यूजीलैंड को कम से कम 135 ओवर खेलने का मौका देने की थी। ताकि उन्हें लंच के बाद कम से कम एक घंटे बल्लेबाजी करने का मौका मिल सके।'' जुरेल ने हेनरी निकोल्स का एक हाथ से शानदार कैच लेने के बारे में कहा, ''मैंने जो कैच पकड़ा उसमें मेरी विकेटकीपिंग कौशल ने मदद की।''

फ्रांस में सड़कों पर उतरे हजारों लोग, पुलिस ने किया लाठीचार्ज और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल

फ्रांस में बढ़ती महंगाई और सरकारी खर्च में कटौती के विरोध में शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। राजधानी पेरिस समेत देश के कई शहरों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए। इस दौरान कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें भी हुईं। हालात संभालने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। फ्रांस के गृह मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में हुए इन प्रदर्शनों में करीब 82,500 लोगों ने हिस्सा लिया, जबकि 144 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पेरिस में शनिवार दोपहर करीब 2 बजे बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी ऐतिहासिक प्लेस डे ला रिपब्लिक पर इकट्ठा हुए। यहां से उन्होंने प्लेस डे ला नेशन तक मार्च निकाला। इस प्रदर्शन में मजदूर संगठनों, छात्र संगठनों और येलो वेस्ट आंदोलन से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने फ्रांस का राष्ट्रगान गाया और फ्रांस के साथ



फिलिस्तीन के झंडे भी लहराए। मार्च के दौरान लोगों ने सरकार की आर्थिक नीतियों और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के खिलाफ नारे लगाए। महंगाई और सरकारी खर्च में कटौती से नाराज लोग– प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में सरकारी खर्च में कटौती रोकना और छात्रों के लिए बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल था। उनका कहना था कि जब देश में महंगाई बढ़ रही है, तब सरकारी खर्च में कटौती से आम लोगों और छात्रों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कानून लागू करने वाले अधिकारियों के हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े प्रस्तावित कानून का विरोध किया। साथ ही पुलिस की जवाबदेही तय करने की मांग की।

कई शहरों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प– प्रदर्शन के दौरान पेरिस समेत कई शहरों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव बढ़ गया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। फ्रांस के गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इन प्रदर्शनों में करीब 82,500 लोग शामिल हुए और 144 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन झड़पों के बाद फ्रांस में महंगाई, सरकारी बजट में कटौती और पुलिस की भूमिका को लेकर लोगों की नाराजगी एक बार फिर सामने आई है।

पहले टेस्ट में भारत से 233 रन पीछे न्यूजीलैंड, मैच बचाने के लिए लंबी बल्लेबाजी जरूरीः रविंद्र

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने स्वीकार किया कि पहले टेस्ट के चौथे दिन रविवार को यहां भारतीय बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम 'बैकफुट' पर चली गई थी।

भारत ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर समाप्त घोषित की और इस तरह से पहली पारी में 352 रन की बढ़त बनाई। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 368 रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 119 रन बनाए हैं। डेवोन कॉनवे और रविंद्र अभी क्रीज पर हैं और उनकी टीम भारत से 233 रन पीछे है। रविंद्र ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पत्रकारों से कहा, ''हम मैच में अभी काफी पीछे चल रहे हैं।

भारत ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। हमारे लिए अब जितना संभव हो सके उतनी देर तक बल्लेबाजी करना जरूरी है।'' मैच ड्रॉ कराने के लिए न्यूजीलैंड को अंतिम दिन 90 ओवर बल्लेबाजी करनी होगी और रविंद्र ने कहा कि न्यूजीलैंड को आगे के बारे में सोचने के बजाय एक–एक गेंद पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा, ''मैच को बचाना अभी काफी दूर की बात है, इसलिए हम एक–एक गेंद पर ध्यान देंगे।

आखिरी दिन 90 ओवर का खेल होना है।'' रविंद्र का मानना है कि वह आक्रामक बल्लेबाज हैं लेकिन परिस्थितियों के अनुसार अपनी आक्रामकता पर अंकुश लगाना भी सीख गए हैं। इसके अलावा उन्होंने साथी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे की भी तारीफ करते हुए कहा कि अगर वह क्रीज पर पर्याप्त समय बिताते हैं तो बड़ा स्कोर बना सकते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं डेव का सबसे बड़ा समर्थक हूं।

जब भी वह क्रीज पर पर्याप्त समय बिता देता है तो फिर बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहता है।'' मैच की पहली दो पारियों में 1088 रन बने लेकिन रविंद्र का मानना है कि पिच की प्रकृति को नकारात्मक रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''ग्लेन फिलिप्स, हेनरी निकोल्स, केएल राहुल और ऋषभ पंत को शतक बनाते देखना कोई नकारात्मक बात नहीं है। भले ही यह वेलिंगटन की कोई आम पिच ना हो।'' रविंद्र ने जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा, ''बुमराह हमेशा काफी सतर्क रहते हैं।

यही तो टेस्ट क्रिकेट है।'' मैच के अंतिम दिन स्पिनरों को मदद मिलने की संभावना के बारे में रविंद्र ने कहा, ''मैं भविष्यवक्ता नहीं हूं लेकिन मौसम की भूमिका अहम होगी। अगर थोड़ी और हवा चलती है तो मौसम शुष्क हो सकता है।''

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

जौनपुर। मछलीशहर थाना क्षेत्र के मारुफपुर गांव में ट्रांसफार्मर के करंट की चपेट में आने सेयुवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई। वहीं पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। युवक की असामयिक मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

टेलर दुकान में घुसा

जौनपुर। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के बादशाहपुर चौराहे पर देर रात एक तेज रफ्तार टेलर अनियंत्रित होकर दुकानों में जा घुसा। टेलर कई दुकानों को क्षतिग्रस्त करते हुए सड़क किनारे स्थित तालाब में जा गिरा। हादसे के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि घटना रात करीब डेढ़ बजे की है। गनीमत रही कि हादसे के वक्त आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

पेड़ पर फांसी लगा महिला ने दी जान

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बरौलिया में जंगल जाकर 35 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार बरौलिया गांव निवासी सुमेर पासवान की पत्नी संगीता देवी ने गांव से लगभग डेढ किलोमीटर दूर खेत में लगे नीम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके में पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतका का पति सुमेर पासवान के अनुसार पिछले एक सप्ताह से उसकी पत्नी का मानसिक संतुलन बिगड गया था। जिसके चलते उसने घटना को अंजाम दिया। मृतका के दामाद रवि कुमार ने कोई आरोप नहीं लगाया है। मृतका अपने पीछे 16 वर्षीय पुत्री पायल, 10 वर्षीय शालू, 7 वर्षीय सोनम व 12 वर्षीय पुत्र निखिल को छोड गयी है।

अचेत युवक की मौत

फतेहपुर। जाफरगंज थाना क्षेत्र के गढी बाजार में ग्रामीणों की सूचना में 20 वर्षीय अचेत युवक को उपचार के लिए बिन्दकी सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार जाफरगंज थाना क्षेत्र के रणवतपुर गांव निवासी सुरेश का पुत्र अजीत किसी काम से बाजार गया था। तभी गढी बाजार में अचेतावस्थ में पुलिस ने उसे सरकारी एम्बुलेंस द्वारा उपचार के लिए बिन्दकी सीएचसी पहुंचाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिर्पोट के बाद ही मौत का कारण ज्ञात हो सकेगा।

जहर खा युवक ने दी जान

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जसराजपुर में मानसिक तनाव के चलते 29 वर्षीय युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल ला रहे थे। तभी रास्ते में उसकी मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार जसराजपुर गांव निवासी जागेष्वर का पुत्र रामेष्वर ने मानसिक तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ समय बाद जब उसकी हालत बिगडने लगी तो परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ला रहे थे। तभी रास्ते में उसकी मौत हो गयी। सूचना पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

ट्रेन में सफर कर रहे युवक की हालत बिगड़ी, मौत

फतेहपुर। पूना से ट्रेन द्वारा घर आ रहे 35 वर्षीय युवक की अचानक तबियत खराब हो गयी जिसकी ट्रेन में ही मौत हो गयी। वहीं बगल में बैठे मुसाफिरों ने इसकी सूचना रेलवे कर्मचारियों को दी। जिस पर शनिवार की सुबह जीआरपी ने शव को विच्छेदन हेतु भेजा है। जानकारी के अनुसार गाजीपुर थाना क्षेत्र के खेसहन गांव निवासी गंगा प्रसाद तिवारी का पुत्र अखिलेश तिवारी पूना में काम करता था। बताते हैं कि छुट्टी लेकर ट्रेन द्वारा वह घर आ रहा था। जैसे ही ट्रेन कानपुर से आगे बढी तभी अखिलेश अचानक तबियत बिगडने लगी और कुछ ही देर बाद ट्रेन में ही उसकी मौत हो गयी। तभी बगल में बैठे मुसाफिरों ने इसकी जानकारी टीटी को दी। जिस पर टीटी ने कंट्रोल रुम द्वारा स्टेशन मास्टर को इसकी जानकारी दी। जिस पर ट्रेन प्लेट फार्म न0–2 में रोककर जीआरपी ने शव को अपने कब्जे में लेते हुये विच्छेदन गृह भेज दिया। घटना के बाबत जानकारी पोस्ट मार्टम हाउस में मृतक के भाई विवेक तिवारी ने दी है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

फतेहपुर। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के अर्न्तगत एनएच 2 में अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से 40 वर्षीय युवक की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार कानपुर नगर के थाना चकेरी 1/10 मोहल्ला स्वर्ण जयन्ती नगर बीरेन्द्र सिंह का पुत्र अरूण प्रताप सिंह किसी काम से चौडगरा आया था। तभी सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की चपेट में जाने से मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

सियार ने किसान को काटा, इलाज के दौरान मौत

फतेहपुर। धान की फसल काटने खेतों ने गए किसान व उसकी पत्नी पर सियार ने हमला करते हुए काट लिया। इलाज के दौरान किसान की मौत हो गई। ललौली थाना क्षेत्र के परेठी गांव निवासी किसान रवींद्र कुमार (43) अपनी पत्नी शकुंतला देवी (40) के साथ 27 अक्टूबर को तड़के खेतों में धान की फसल काटने गए थे। तभी सियार ने हमला करते हुए दंपति को काट लिया था। जिसके बाद दोनों ने इलाज करवाते हुए एंटी रैबीज के इंजेक्शन मेडिकल कालेज अल्लीपुर में लगवाए थे। जिसके बाद पत्नी शकुंतला देवी ठीक हो गई थी। गुरुवार रात किसान रवींद्र कुमार की अचानक तबियत बिगड़ गई। परिजन जिसे आनन फानन इलाज के लिए हैलेट अस्पताल कानपुर में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार दोपहर किसान की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलने पर मां लक्ष्मी देवी, पत्नी शकुंतला, पुत्री पल्लवी और पुत्र मिथिलेश कुमार का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजन किसान का शव हैलेट से घर वापस लेकर लौट आए हैं।

सीमावर्ती क्षेत्र में गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा का शुभारंभ,17,890 मरीजों का हुआ उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। सीमावर्ती क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों को बेहतर



स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा के सातवें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा के पहले दिन बलरामपुर जिले के शिवपुरा, पचपेड़वा, गैसड़ी एवं तुलसीपुर विकासखंडों में कुल 37 स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। इन शिविरों में विभिन्न प्रांतों से आए चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं।शिविरों में एनीमिया, मधुमेह, ब्लड प्रेशर, त्वचा रोग, दंत रोग, नेत्र रोग एवं पेट संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीज पहुंचे। इसके अलावा सर्दी, जुकाम, बुखार और खांसी के मरीजों की संख्या भी अधिक रही। पहले दिन कुल 17,890 मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया।विभिन्न स्थानों पर आयोजित शिविरों में गढ़वा, सोंगड़ा, नवलगढ़, हेमपुर गणेशपुर, पिपरहवा चौराहा, लक्ष्मीनगर, जनकपुर, दूदवालिया, कुष्महर, प्रेमनगर, पिपरा दुर्गानगर एवं बघेलखंड सहित सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।यात्रा में विभिन्न प्रांतों से आए डॉ. शिवम, डॉ. तावसी, डॉ. अर्पित, डॉ. अमूल्य, डॉ. अनीता, डॉ. अमित कुमार, डॉ. सौरभ, डॉ. विनोद शुक्ला, डॉ. अखिल, डॉ. सूर्यांशु, डॉ. राहुल, डॉ. गुरुतेज एवं डॉ. डीएन सिंह सहित अन्य चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश रस्तोगी के नेतृत्व में स्थानीय स्तर पर यात्रा को विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। डॉ. विकल्प मिश्रा (सचिव, एनएमओ), प्रांत सचिव डॉ. शिवम मिश्रा, प्रांत प्रवास प्रमुख डॉ. तावसी, विभाग सेवा प्रमुख श्याम सुंदर एवं खंड कार्यवाह जसवंत यादव ने हेमपुर गणेशपुर, पिपरहवा चौराहा, गढ़वा, जमुनी कला एवं प्रेमनगर स्थित शिविरों का निरीक्षण किया।वहीं यात्रा संयोजक राम .पाल शुक्ला तथा नमो बलरामपुर के अध्यक्ष डॉ. शरद सिंह ने पचपेड़वा विकासखंड के शिविरों का अवलोकन किया।आयोजकों ने बताया कि यात्रा के अंतर्गत 24 नवंबर 2026 को देवीपाटन मंदिर परिसर में मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी है।

बलरामपुर में 1752 बूथों पर चला विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम–2027 के तहत रविवार 22 नवंबर को जनपद के सभी चार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के 1752 मतदेय स्थलों पर विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे पात्र नागरिकों को जोड़ना तथा निर्वाचक नामावली को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाना रहा।अभियान के दौरान विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा एवं पात्र महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने पर जोर दिया गया। सभी मतदेय स्थलों पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित रहकर पात्र नागरिकों से आवेदन प्राप्त करते रहे और मतदाता सूची से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराते रहे।इस दौरान नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म–6,



मतदाता सूची से नाम हटाने अथवा आपत्ति दर्ज कराने के लिए फॉर्म–7 तथा नाम, पता एवं अन्य विवरण में संशोधन के लिए फॉर्म–8 उपलब्ध कराया गया।विशेष अभियान के तहत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 293–उतरौला में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) ने विभिन्न मतदेय स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने रमवापुर के बूथ संख्या 327 एवं 328, बूथ संख्या 56, 57 एवं 58, बढ़हरा कोट के बूथ संख्या 52 एवं 53, प्राथमिक विद्यालय दतौली के बूथ संख्या 332, 333 एवं 334 तथा कम्पोजिट कन्या विद्यालय उतरौला के बूथ संख्या 80 से 84 तक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीएलओ की उपस्थिति, आलेख्य मतदाता सूची की उपलब्धता तथा पात्र नागरिकों से प्राप्त किए जा रहे आवेदन पत्रों की स्थिति की जानकारी ली गई।17 नवंबर 2026 को प्रकाशित आलेख्य निर्वाचक नामावली सभी बीएलओ के पास उपलब्ध रही। मतदाताओं को अपने एवं परिवार के सदस्यों के नाम सूची में जांचने तथा किसी प्रकार की त्रुटि होने पर आवश्यक संशोधन के लिए आवेदन करने की सुविधा दी गई।निर्वाचन विभाग ने पात्र नागरिकों से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें और नाम दर्ज नहीं होने या विवरण में त्रुटि पाए जाने पर निर्धारित प्रपत्र के माध्यम से आवेदन कर अपना पंजीकरण सुनिश्चित कराएं।

रूधौली मे दर्दनाक हादसा, बाइक सवार के गले मे फंसी रस्सी, बस्ती के युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती, रुधौली–बांसी बस्ती मार्ग पर एक दर्दनाक हादसे में बाइक पर पीछे बैठे युवक की जान चली गई। सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली पर बांस–बल्ली लाद रहे युवकों द्वारा फेंकी गई रस्सी बाइक सवार युवक के गले में फंस गई। इससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा।जानकारी के अनुसार, नितेश कुमार श्रीवास्तव पुत्र विजेंद्र कुमार अपने साथी शेखर श्रीवास्तव के साथ बस्ती स्थित अपने घर से बांसी जा रहे थे। इसी दौरान नगर पंचायत रुधौली क्षेत्र में बस्ती–बांसी मार्ग पर सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली पर बांस–बल्ली लादने का काम चल रहा था। आरोप है कि इसी दौरान वहां मौजूद युवकों द्वारा फेंकी गई रस्सी बाइक के पीछे बैठे नितेश के गले में फंस गई। हादसे में नितेश गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों ने आनन–फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुधौली पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाइक चला रहे शेखर श्रीवास्तव को हल्की चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। क्षतिग्रस्त बाइक को भी कब्जे में लिया गया है। वहीं ट्रैक्टर–ट्रॉली चालक और घटना में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।स्थानीय लोगों के मुताबिक, नितेश श्रीवास्तव खलीलाबाद में मेडिकल स्टोर चलाते थे। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे और किसी काम से साकेतनगर, रौता चौराहा स्थित अपने घर से बांसी जा रहे थे। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे ट्रैक्टर–ट्रॉली खड़ी कर सामान लादने और इस दौरान सुरक्षा के इंतजाम नहीं होने पर सवाल उठाए हैं। कुछ लोगों का कहना है कि पीछे बैठे नितेश ने हेलमेट नहीं लगाया था, हालांकि हादसे में रस्सी गले में फंसना ही गंभीर चोट का कारण बन गया

बहराइच में दहेज की बलि चढ़ी विवाहिता! हत्या का आरोप, ससुरालीजन फरार



दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले के रानीपुर थाना क्षेत्र के धर्मपुर बेहड़ा में दहेज उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर 27 वर्षीय विवाहिता सुमन पाल की हत्या कर दी गई। घटना के बाद से ससुरालीजन फरार बताए जा रहे हैं। मृतका के चाचा जगदीश प्रसाद पाल निवासी धोबियाहार, तारापुर कला (रामगांव) ने रानीपुर थाने में तहरीर देकर बताया कि उन्होंने वर्ष 2020 में अपनी भतीजी सुमन का विवाह धर्मपुर बेहड़ा निवासी इंद्रजीत के साथ किया था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुरालीजन दहेज की मांग को लेकर सुमन को लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। सुमन कई बार फोन पर मायके वालों को अपनी परेशानी बताती थी। परिजनों ने कई बार समझाने का प्रयास किया, लेकिन उत्पीड़न बंद नहीं हुआ। परिजनों का आरोप है कि शुक्रवार को सुमन की पिटाई की गई और फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को फंदे से लटका दिया गया, ताकि घटना को दूसरा रूप दिया जा सके।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार राय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बहराइच में सियार का आतंक: 12 वर्षीय बालिका समेत चार लोगों पर हमला, सभी घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र के नरोत्तमपुर गांव में



शनिवार शाम सियार के हमले से हड़कंप मच गया। गांव निवासी 12 वर्षीय रिंकी पर अचानक सियार ने हमला कर दिया। बालिका की चीख–पुकार सुनकर उसे बचाने के लिए दौड़े पड़ोसी पति–पत्नी और उनकी बेटी को भी सियार ने हमला कर घायल कर दिया। इस घटना में कुल चार लोग घायल हो गए। हमले के बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया गया।मेडिकल कॉलेज में सभी घायलों का इलाज डॉ. आशीष वर्मा की देखरेख में चल रहा है। एक साथ चार लोगों पर सियार के हमले की घटना से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में सियार के आतंक से निजात दिलाने तथा लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

उतरौला बकरी के गेहूं खाने को लेकर विवाद, 60 वर्षीय बुजुर्ग की पीटकर हत्या तीन आरोपी गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला (बलरामपुर) बकरी के गेहूं खाने को लेकर शुरू हुआ



विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि एक पक्ष ने अपने रिश्तेदारों को बुलाकर 60 वर्षीय बुजुर्ग पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरतार किया है।मृतक की पहचान अलमदार हुसैन (60), पुत्र सर्वर हुसैन, निवासी मोहल्ला गांधी नगर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पड़ोसी अरुण पटेल के घर की छत पर सूख रहे गेहूं को अलमदार की बकरी खा गई थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई।आरोप है कि विवाद से नाराज अरुण पटेल ने फोन कर अपने रिश्तेदारों को बुला लिया। पीड़ित पक्ष के मुताबिक, करीब 10 से 15 लोग अलमदार के घर पहुंचे और उनके साथ मारपीट की। हमले में अलमदार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उनकी मौत हो गई।मृतक की पत्नी नाजमा बानो की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करते हुए अरुण पटेल, अजय पुत्र जगदंबा प्रसाद, लाले और कल्लू पुत्र अरुण को गिरतार कर लिया है। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

सीमा सुरक्षा को लेकर डीएम सख्त, ठूठीबारी बॉर्डर का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

ठूठीबारी (महराजगंज)। भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था



को लेकर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने ठूठीबारी बॉर्डर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीमा पर आवागमन करने वाले लोगों की जांच प्रक्रिया, थर्मल स्कैनिंग व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान ठूठीबारी थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने जिलाधिकारी को सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था एवं स्थानीय गतिविधियों की जानकारी दी। एसएसबी बीओपी ठूठीबारी के जवान भी मौके पर मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने पुलिस और एसएसबी के जवानों से सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए सीमा पार आने–जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गंभीरता से जांच करने पर जोर दिया।उन्होंने निर्देश दिया कि थर्मल स्कैनिंग व्यवस्था प्रभावी ढंग से संचालित की जाए तथा सीमा क्षेत्र की प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाए। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि भारत–नेपाल सीमा संवेदनशील क्षेत्र है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस और एसएसबी आपसी समन्वय बनाकर लगातार निगरानी सुनिश्चित करें, जिससे सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनी रहे।निरीक्षण के दौरान पुलिस एवं एसएसबी के अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

मॉर्निंग वॉक पर निकले दरोगा से मारपीट, तीन महिलाओं समेत चार गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच।जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र में कानून–व्यवस्था से जुड़ा एक मामला सामने आया है। यहां सादे कपड़ों में मॉर्निंग वॉक



पर निकले उपनिरीक्षक संजीत कुमार सिंह के साथ मारपीट किए जाने का आरोप है। बताया जा रहा है कि दरोगा ने रास्ते में विवाद कर रहे कुछ लोगों को देखकर उनसे पूछताछ की। इसी बात को लेकर कुछ लोग आक्रोशित हो गए और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना में उपनिरीक्षक घायल हो गए। मामले में उपनिरीक्षक की तहरीर पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राधेश्याम, सुनीता, मनीषा और ज्योति को गिरतार कर लिया। गिरतार आरोपियों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की इस घटना ने क्षेत्र में कानून–व्यवस्था और पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

कैसरगंज समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने स्टालों का किया निरीक्षण, गर्भवती महिलाओं की हुई गोदभराई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। तहसील कैसरगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए



गए स्टालों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान आईसीडीएस विभाग की ओर से लगाए गए स्टाल पर डीएम और एसपी ने तीन गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म पूरी कराई, जबकि तीन छोटे बच्चों को अन्नप्राशन कराया। इस पहल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।इस अवसर पर अधिकारियों ने संबंधित विभागों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने तथा जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

बाइक मैकेनिक के बेटे सचिदानंद पाल का मुख्य वाणिज्य सह टिकट पर्यवेक्षक पद पर हुआ चयन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मेहनत, लगन और .ढ़ संकल्प के दम पर कठिन परिस्थितियों को मात देकर सफलता हासिल करने वाले रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र के ग्राम लोढ़ी निवासी सचिदानंद पाल ने रेलवे में सरकारी नौकरी हासिल कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। एक साधारण बाइक मैकेनिक के बेटे की यह उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बन गई है।सचिदानंद पाल, पुत्र अरविंद कुमार, का चयन रेलवे भर्ती बोर्ड, मालदा द्वारा जारी केंद्री.त रोजगार सूचना संख्या 05/2024 के तहत एनटीपीसी स्नातक श्रेणी में मुख्य वाणिज्य सह टिकट पर्यवेक्षक पद पर हुआ है। रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से जारी अनंतिम प्रथम भाग पैनल में उनका नाम शामिल किया गया है।सचिदानंद ने वर्ष 2018 में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने सरकारी नौकरी हासिल करने के लक्ष्य के साथ तैयारी शुरू कर दी। सीमित आर्थिक संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच उन्होंने निरंतर मेहनत और लगन से अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाए।सफलता की राह में उन्हें कई चुनौतियों और असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन



उन्होंने कभी हार नहीं मानी। अपने आत्मविश्वास और मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर लगातार प्रयास जारी रखा और आखिरकार रेलवे में चयनित होकर अपने सपने को साकार कर लिया।रेलवे भर्ती बोर्ड मालदा की ओर से जारी पैनल कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं , कंप्यूटर आधारित अभिक्षमता परीक्षा , कंप्यूटर आधारित टंकण कौशल परीक्षा , दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षण सहित निर्धारित मानदंडों के आधार पर तैयार किया गया है।

चयनित अभ्यर्थियों की आगे की भर्ती प्रक्रिया के लिए पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारियों को संस्तुति की गई है।सचिदानंद की इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। उन्होंने अपने दादा देव नाथ प्रसाद, जिन्हें दूध नाथ मिस्त्री के नाम से भी जाना जाता है, की इच्छाओं को पूरा कर परिवार को गौरवान्वित किया है। उनकी उपलब्धि पर चाचा मुकेश पाल, छोटू पाल और नंदन पाल सहित क्षेत्र के अन्य लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी।सचिदानंद पाल की सफलता की कहानी यह साबित करती है कि आर्थिक तंगी और विपरीत परिस्थितियां किसी व्यक्ति के सपनों को रोक नहीं सकतीं, यदि उसके भीतर मेहनत करने का जज्बा और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो। उनकी उपलब्धि क्षेत्र के उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

देवरिया में भाजयुमो के राष्ट्रीय व प्रदेश अध्यक्ष का दीपक मिश्रा ने किया जोरदार स्वागत!

दैनिक बुद्ध का संदेश

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमांग जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्र के देवरिया की धरती

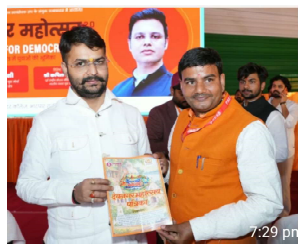

पर आगमन पर दीपक मिश्रा ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान दीपक मिश्रा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व का देवरिया की धरती पर आगमन जिले के कार्यकर्ताओं के लिए गर्व और उत्साह का विषय है। उन्होंने दोनों नेताओं का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार जताया।

अस्पताल में तोड़फोड़ के बाद महिला चिकित्सक असुरक्षित, पुलिस से लगाई सुरक्षा की गुहार!

दैनिक बुद्ध का संदेश

कुशीनगर। विशुनपुरा थाना क्षेत्र के पृथ्वीपुर स्थित होम्योपैथिक हॉस्पिटल में एक सप्ताह पूर्व हुई तोड़फोड़ की घटना के बाद भय



का माहौल बना हुआ है। महिला चिकित्सक ने अपनी सुरक्षा को लेकर पुलिस को तहरीर देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। घटना के बाद से चिकित्सक चिंतित हैं और स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। ऐसे में महिला चिकित्सक की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस के लिए गंभीर चुनौती है।

मिशन शक्ति 6.0 के तहत महिलाओं की सुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक कर रही पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के साथ आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 6.



0 एवं साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं नोडल अधिकारी मेविस टॉक के पर्यवेक्षण में 22 नवंबर को जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीमों ने बाजारों, कस्बों, सार्वजनिक स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें उनके अधिकारों, गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला सुरक्षा हेल्पलाइन तथा विभिन्न सरकारी सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। पुलिस टीमों ने महिलाओं को किसी भी समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए जागरूक किया।वहीं साइबर जागरूकता अभियान के तहत आमजन को ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड, साइबर ग्रूमिंग, टेलीग्राम फ्रॉड, फर्जी ट्रेडिंग ग्रुप और फिशिंग लिंक के माध्यम से होने वाली ठगी के बारे में जानकारी दी गई।पुलिस टीमों ने लोगों को आगाह किया कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंकिंग विवरण और पासवर्ड साझा न करें तथा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। ऑनलाइन निवेश करने से पहले संबंधित प्लेटफॉर्म की सत्यता की जांच अवश्य करें।पुलिस का उद्देश्य जनजागरूकता के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ साइबर अपराधों की रोकथाम और आमजन को डिजिटल ठगी से बचाना है।

पयागपुर में करंट ने बुझाया घर का इकलौता चिराग, 17 वर्षीय वैभव की दर्दनाक मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर (बहराइच)। पयागपुर नगर पंचायत के कोट बाजार में शनिवार शाम बिजली का करंट लगने से 17 वर्षीय किशोर वैभव



वैश्य की दर्दनाक मौत हो गई। वह पप्पू वैश्य का इकलौता पुत्र था। इस हृदयविदारक घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया जाता है कि बिजली का करंट लगने से वैभव हादसे का शिकार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई। घर के इकलौते बेटे की असमय मौत से माता–पिता का रो–रोकर बुरा हाल है। जिस घर में कुछ देर पहले तक खुशियां थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है। वैभव अपने माता–पिता की इकलौती संतान था। परिवार को उससे बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन एक दर्दनाक हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। किशोर की मौत की खबर से इलाके में भी शोक की लहर दौड़ गई।

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर कंबल–मिष्ठान वितरण, सपाइयों ने किया रक्तदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं समाजवादी चिंतक श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव (नेताजी) की जयंती हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संगोष्ठी आयोजित कर नेताजी के विचारों एवं उनके संघर्षों को याद किया गया। कार्यक्रम में गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल और मिष्ठान वितरित किया गया। वहीं समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर जनसेवा का संदेश दिया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि श्रद्धेय नेताजी गरीबों के मसीहा और सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने हमेशा गरीबों, वंचितों और शोषितों को न्याय दिलाने का काम किया। आरक्षण व्यवस्था को मजबूती देकर समाज के सभी वर्गों को



ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख जैसे पदों पर भागीदारी का अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।उन्होंने कहा कि नेताजी के दिखाए रास्ते पर चलते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सभी समाजों को साथ लेकर चलने का काम कर रहे हैं। गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करना तथा उनके हक और अधिकारों की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ना समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता है।कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी के युवा एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया।

रक्तदान करने वालों में समाजवादी यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष सत्यम पांडेय, शिक्षक सभा के जिलाध्यक्ष अजीत मौर्य, अतुल दुबे, आदिल अंसारी एवं धीरज पाठक प्रमुख रहे।संगोष्ठी को राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, रमेश चंद दुबे, राजेंद्र सिंह पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष संजय यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल कुमार यादव, मोहम्मद सईद कुरैशी, अनिल प्रधान, जयप्रकाश उर्फ चेखूर पांडेय, गीता गौर, अशोक पटेल, वेदमणि शुक्ला, फुलवंती गौड़, सुनील गौड़, राजेश विश्वकर्मा, सरदार पारब्रह्म सिंह, कामरान खान, हिदायत उल्ला खान, लालू भारती एवं परशुराम यादव सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया।इस दौरान सैकड़ों की संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने नेताजी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें शत–शत नमन किया और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

बूथ संख्या 296 पर मतदाता जोड़ने के लिए चलाया गया अभियान, बीएलओ के साथ भरे गए फार्म–6 !

दैनिक बुद्ध का संदेश

कुशीनगर। फाजिलनगर मंडल के लवकुश पश्चिम पट्टी में आज मतदाता जोड़ो अभियान के तहत बूथ संख्या 296 पर विशेष



अभियान चलाया गया। इस दौरान उपस्थित होकर बीएलओ प्रभावती सिंह के सहयोग से नए मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने के लिए फार्म–6 भरवाया गया। अभियान का उद्देश्य पात्र लोगों को मतदाता सूची से जोड़कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर प्रमोद शर्मा, धर्मेंद्र प्रसाद, बीएलओ प्रभावती सिंह सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष पर हित चिंतक अभियान का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

रेणुकूट/सोनभद्र। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की ओर से अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर हित चिंतक अभियान के तहत रविवार को राधा–.ष्ण मंदिर के सत्संग भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एससी–एसटी आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में म्योरपुर ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गोंड़ और मुख्य वक्ता क्षेत्र गौ सेवा प्रमुख प्रेम शंकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रेमशंकर ने कहा कि अशोक सिंघल का जीवन हिंदू समाज के संगठन, सांस्.तिक जागरण और सामाजिक एकता के लिए समर्पित रहा।



उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज को एकजुट करने और भारतीय संस्.ति एवं परंपराओं के संरक्षण के लिए लगाया। उनके विचार और कार्य आज भी युवाओं तथा समाज के लोगों को प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि हित चिंतक अभियान के माध्यम से विश्व हिंदू परिषद समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास कर रहा है। संगठन का उद्देश्य केवल सदस्यता बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार, समरसता और सांस्.तिक चेतना को मजबूत करना भी है।मुख्य अतिथि जीत सिंह खरवार ने अशोक सिंघल के योगदान को याद करते हुए सामाजिक एकता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि मानसिंह गोंड ने भी समाजहित में संगठित प्रयासों की आवश्यकता बताई।बजरंग दल के प्रांत सहसंयोजक संदीप गुप्ता ने युवाओं से सामाजिक और सांस्.तिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में अभियान को सफल बनाने और समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का संकल्प लिया गया।इस मौके पर विहिप के जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह, दीप.ष्ण महाराज,उपाध्यक्ष मनोज सिंह,बजरंग दल के प्रांत सहसंयोजक संदीप गुप्ता,हरिराम शाह, विजय सिंह, मनीष मिश्रा, वीरेंद्र सोनी, आदि रहे।

तमकुही राज में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय श्री अन्न मेले का शुभारंभ, .षि मंत्री ने किया उद्घाटन!

दैनिक बुद्ध का संदेश

तमकुही राज/कुशीनगर। रामलीला मैदान तमकुही राज में



उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम 2026–27 के तहत 21 से 23 नवंबर तक आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय श्री अन्न कार्यशाला, मेला एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रदेश के .षि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण कर मोटे अनाज के उत्पादन, प्रसंस्करण और उपभोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया।मेले में मडुआ, सांवा, कोदो और बाजरा सहित मोटे अनाजों से तैयार बिस्किट, नमकीन व अन्य खाद्य उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। आयोजन का उद्देश्य किसानों को मिलेट्स की खेती के लिए प्रोत्साहित करने, उनकी आय बढ़ाने तथा आमजन को पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक करना है।

ऑपरेशन ऑल आउट, देर रात्रि तक संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की की गई सघन चेकिंग



दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।अपराध की रोकथाम, आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा जनपद में शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के .ष्टिगत पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में 21/22.11.2026 की रात्रि को जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में ऑपरेशन ऑल आउट के तहत व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। उक्त अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल,समस्त क्षेत्राधिकारीगण, थाना प्रभारीगण एवं चौकी प्रभारियों द्वारा पुलिस बल के साथ अपने–अपने क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की गई। पुलिस टीमों द्वारा प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर वाहनों को रोककर उनकी जांच की गई तथा संदिग्ध व्यक्तियों से आवश्यक पूछताछ की गई। साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु निर्देशित किया गया तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि अपने–अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों पर सतर्क .ष्टि बनाए रखें। विशेष रूप से संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर निगरानी रखते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।सोनभद्र पुलिस द्वारा ऑपरेशन ऑल आउट के माध्यम से अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गतिविधियों पर निगरानी रखने तथा जनपद में शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने हेतु निरंतर सतर्कता एवं प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित की जा रही है।

शार्ट सर्किट से जियो टावर पैनल में लगी आग उपकरण जलकर खाक

दैनिक बुद्ध का संदेश

डाला (सोनभद्र)।नगर पंचायत क्षेत्र में वाराणसी शक्तिनगर मार्ग किनारे एक आवास के निकट स्थित जियो टावर पैनल से रविवार की सुबह में अचानक धुआं उठने लगा। देखते ही देखते उसमें आग लग गई इससे अफरातफरी मच गई। लोगों ने तत्काल पुलिस और बिजली विभाग को सूचना दी।सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम ने क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बंद कराई। इसी बीच पुलिस व अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू काबू पाया। वंहा मौजूद लोगों की मानें तो शार्ट सर्किट से आग लगने का कारण बताया जा रहा है। आग से टावर पैनल में लगे अधिकांश इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खाक हो गए। बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा इसकी सूचना जियो टावर की देखरेख करने वालों को दे दी गई है पैनल जलने से उक्त टावर से मिलने वाला नेटवर्क बंद होने से आसपास नेटवर्क की स्पीड कम हो गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

कार्तिक पूर्णिमां पर चंद्रमा को जल अर्पित करने से दूर होगा चंद्र दोष और मानसिक तनाव



हिंदू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन ही देव दीपावली का पर्व मनाया जाता है। सालभर में पड़ने वाली 12 पूर्णिमाओं में कार्तिक पूर्णिमा को अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु चार महीने की योगनिद्रा से जागते हैं और इसके बाद कार्तिक पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है।

इस साल 24 नवंबर 2026 को कार्तिक पूर्णिमा मनाई जाएगी। इस दिन स्नान, दान, दीपदान और भगवान विष्णु की पूजा के साथ चंद्र देव की आराधना का भी विशेष महत्व बताया है।

अगर आप पूर्णिमा की रात चंद्रमा को अर्घ्य देते हैं, तो मानसिक शांति प्राप्त होती है और कुंडली में चंद्रमा से संबंधित अशुभ प्रभावों को कम करने में सहायक है। आइए आपको कार्तिक पूर्णिमा का चंद्रोदय का समय, चंद्रमा को जल अर्पित करने का शुभ मुहूर्त के बारे में बताते हैं।

कार्तिक पूर्णिमा 2026: चंद्रोदय और अर्घ्य का समय

चंद्रोदय का समयः 24 नवंबर 2026, शाम 4:56 बजे

सूर्यास्त का समयः 24 नवंबर 2026, शाम 5:24 बजे

चंद्रमा को अर्घ्य देने का समयरू सूर्यास्त के बाद शाम 5:25 बजे से रात 8 बजे तक

चंद्रमा को अर्घ्य देने से किन दोषों के प्रभाव कम हो सकते हैं?

चंद्र दोष– वैदिक ज्योतिष के अनुसार, चंद्रमा को मन, भावनाओं और माता का कारक माना जाता है। अगर आपकी कुंडली में चंद्रमा की कमजोर या प्रतिकूल स्थिति होने पर चंद्र दोष की स्थिति बन सकती हैं। इसके कारण से व्यक्ति को मानसिक बेचौनी, भावनात्मक अस्थिरता और पारिवारिक जीवन में तनाव बना रहता है। इसलिए कार्तिक पूर्णिमा के दिन श्रद्धापूर्वक चंद्र देव को अर्घ्य दे सकते हैं और उनकी पूजा करने से चंद्रमा के अशुभ प्रभावों को शांत करने में सहायता प्राप्त होती है।

धन से संबंधित परेशानियां– ज्योतिष में चंद्रमा का संबंध सुख–सुविधाओं और आर्थिक स्थिति से भी देखा जाता है। कुंडली में चंद्रमा की प्रतिकूल स्थिति या अशुभ ग्रहों के प्रभाव के कारण धन संचय और आर्थिक स्थिरता से संबंधित चुनौतियां आ सकती हैं। ऐसे में कार्तिक पूर्णिमा पर चंद्रमा की उपासना और उन्हें अर्घ्य देने से आर्थिक जीवन में सकारात्मकता बनीं रहती है।

चंद्र ग्रहण दोष– ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब जातक की कुंडली में चंद्रमा के साथ राहु या केतु की युति होती है, तो ज्योतिष में इसको ग्रहण योग कहा जाता है। इसके अशुभ प्रभावों के कारण व्यक्ति को मानसिक तनाव और जीवन में विभिन्न प्रकार की बाधाओं को सामना करना पड़ता है। कार्तिक पूर्णिमा पर चंद्र देव की पूजा और जल अर्पित करने से इस योग के नकारात्मक प्रभावों को कम करने में मदद मिलती है।

कार्तिक पूर्णिमा पर चंद्र देव को अर्घ्य कैसे दें?

पूर्णिमा वाले दिन शाम को चंद्रोदय के बाद एक साफ लोटे में शुद्ध जल भरें। इसमें कच्चा दूध, अक्षत और पुष्प डाल दें। फिर चंद्र देव का ध्यान करते हुए श्ध सों सोमाय नमःश मंत्र का 11 बार जाप कर सकते हैं। फिर धीरे–धीरे चंद्रमा को जल अर्पित करें। इस बात का ध्यान रहे कि जल की धार या छींटे पैरों पर न पड़ें। आखिर में चंद्र देव से सुख, शांति और समृद्धि की कामना कर सकते हैं।

पागलपंती के 7 सालः पुलकित सम्राट की शानदार कॉमिक टाइमिंग और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस का जश्न



मुंबई सात साल पहले रिलीज हुई फिल्म श्पागलपंतीच्य ने दर्शकों को कन्फ्यूजन, अफरा–तफरी और हंसी से भरपूर एक मनोरंजक कॉमेडी का अनुभव दिया था। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अनिल कपूर, जॉन अब्राहम, अरशद वारसी, पुलकित सम्राट, कृति खरबंदा, इलियाना डिक्रूज और सौरभ शुक्ला जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म के सात साल पूरे होने के मौके पर पुलकित सम्राट की सहज कॉमिक टाइमिंग, जबरदस्त एनर्जी और दिलचस्प स्क्रीन प्रेजेंस को याद करना खास है। पुलकित सम्राट में हमेशा से कॉमेडी की एक स्वाभाविक समझ रही है और श्पागलपंतीच्य उन्हें अपनी इस खूबी को एक बार फिर पर्दे पर दिखाने का मौका देती है। ऐसी फिल्म में, जहां हास्य और मजेदार परिस्थितियां कहानी को आगे बढ़ाती हैं, पुलकित ने अपने किरदार में सहजता और आकर्षण बनाए रखा। उनके एक्सप्रेशंस, डायलॉग डिलीवरी और कॉमिक परिस्थितियों में उनकी प्रतिक्रियाओं ने फिल्म के मनोरंजन को और बढ़ाया। एक कलाकार के तौर पर पुलकित की सबसे बड़ी खूबियों में से एक है उनकी कॉमेडी को बेहद सहज अंदाज में पेश करने की क्षमता। वह सिर्फ पंचलाइन्स पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि अपने एक्सप्रेशंस, रिएक्शन्स और स्वाभाविक अंदाज से भी दर्शकों को हंसाने में कामयाब होते हैं। श्पागलपंतीच्य में भी उनकी यही खासियत देखने को मिली, जहां उन्होंने मल्टीस्टारर कास्ट का हिस्सा होते हुए भी अपनी अलग पहचान बनाए रखी। अपने सह–कलाकारों के साथ उनकी केमिस्ट्री ने फिल्म के खुशनुमा माहौल को और मजेदार बनाया। अनिल कपूर और अरशद वारसी जैसे मंझे हुए कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर करना भी पुलकित के कॉमेडी सफर का एक दिलचस्प पड़ाव रहा। उन्होंने इस मल्टीस्टारर फिल्म में अपनी जगह बखूबी बनाई और अपने किरदार में युवा ऊर्जा, सहजता और आकर्षक व्यक्तित्व लेकर आए। उनका अभिनय कॉमेडी जॉनर के प्रति उनके सहज जुड़ाव और हल्के–फुल्के मनोरंजन के जरिए दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता को दर्शाता है। दिलचस्प बात यह है कि श्पागलपंतीच्य पुलकित की निजी जिंदगी के लिहाज से भी बेहद खास है। इसी फिल्म के सेट पर उनकी मुलाकात सह–कलाकार कृति खरबंदा से हुई और धीरे–धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं। समय के साथ यह रिश्ता प्यार में बदल गया और दोनों ने मार्च 2024 में शादी कर ली। ऐसे में आज जब दर्शक इस फिल्म को दोबारा देखते हैं, तो उन्हें पुलकित और कृति की प्रेम कहानी के शुरुआती दिनों की झलक भी देखने को मिलती है। बीते वर्षों में पुलकित सम्राट ने अलग–अलग जॉनर और तरह–तरह के किरदारों में खुद को आजमाया है, लेकिन कॉमेडी एक ऐसा जॉनर रहा है, जहां उनकी स्वाभाविक स्क्रीन प्रेजेंस खुलकर सामने आती है। अपनी शुरुआती कॉमेडी फिल्मों से लेकर श्पागलपंतीच्य तक, उन्होंने अपने अभिनय में हास्य, ऊर्जा और सहजता का बेहतरीन मेल दिखाया है। श्पागलपंतीच्य के सात साल पूरे होने पर फिल्म की मल्टीस्टारर मनोरंजक दुनिया के साथ–साथ उसमें पुलकित सम्राट के योगदान को भी याद करना बनता है। उनकी सहज कॉमिक टाइमिंग, शानदार एक्सप्रेशंस और स्वाभाविक स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें फिल्म का एक दिलचस्प हिस्सा बनाया। यही वजह है कि आज भी यह फिल्म दर्शकों को हंसाने और उनका मनोरंजन करने की क्षमता रखती है।

3 साल के रिजेक्शन और मुफलिसी के बाद कार्तिक आर्यन ने बॉलीवुड में बनाई पहचान



बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन आज यानी की 22 नवंबर को अपना 36वां जन्मदिन मनाया। अपनी मेहनत और शानदार अभिनय के दम पर कार्तिक ने फिल्म इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया है। वह बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है। हालांकि एक समय ऐसा भी था, जब उनके लिए मुंबई में गुजारा करना मुश्किल लगता था। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेता कार्तिक आर्यन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में 22 नवंबर 1990 को कार्तिक आर्यन का जन्म हुआ था। अभिनेता के माता–पिता डॉक्टर हैं और उनका परिवार चाहता था कि कार्तिक अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। लेकिन कार्तिक के मन में बचपन से ही अभिनेता बनने का सपना था। उन्होंने अपने सपने को परिवार से छिपाने के लिए नवी मुंबई के एक कॉलेज में इंजीनियरिंग में एडमिशन लिया। कॉलेज के दौरान कार्तिक ने मॉडलिंग और फिल्मों के लिए ऑडिशन देना शुरूकर दिया। धीरे–धीरे अभिनय के प्रति कार्तिक का जुनून बढ़ता गया और इसी के साथ संघर्ष का दौर शुरू हो गया।

मुंबई में किया संघर्ष

मुंबई में काम की तलाश करना कार्तिक आर्यन के लिए आसान नहीं था। इस दौरान तक उनके पास इतने पैसे भी नहीं होते थे कि वह आराम से अपना खर्च उठा सकें। कार्तिक ने एक बार बताया था कि संघर्ष के दिनों में वह मुंबई से लोकल ट्रेन में बिना टिकट सफर किया करते थे। वहीं वह 12 लोगों के साथ एक कमरा साझा करते रहते थे। सीमित पैसों और मुश्किल हालातों के बाद भी कार्तिक अपना सपना पूरा करने में जुटे रहे।

ऐसे मिली सफलता

शुरूआती दिनों में कार्तिक आर्यन लगातार ऑडिशन देने के बाद भी निराशा मिली। एक बार कार्तिक ने डियोड्रेंट के विज्ञापन के लिए ऑडिशन दिया था, लेकिन उनको अंदर तक जाने नहीं दिया गया था। कार्तिक को बाहर से ही देखकर रिजेक्ट कर दिया गया था। करीब 3 सालों तक कार्तिक आर्यन को रिजेक्शन का सामना करना पड़ा था। लेकिन अभिनेता ने हार नहीं मानी थी। आखिरकर साल 2011 में कार्तिक ने फिल्म श्प्यार का पंचनामाश से बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू किया था।

फिल्म में उनके अभिनय और खासकर लंबे मोनेलॉग ने लोगों का ध्यान खींचा था। इसके बाद अभिनेता ने श्लुका छुपीश, श्सोनू के टीटू की स्वीटीश, श्भूल भुलैया 2श, श्पति पत्नी और वोश और श्सत्यप्रेम की कथाश आदि फिल्मों में काम किया है। कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के चर्चित अभिनेताओं में शामिल हैं। लगातार मेहनत और धैर्य से मुश्किल रास्ते आसान हो सकते हैं।

मुंबईकरों की फैन हुईं माधुरी दीक्षित, बोलीं– यहां के लोग मदद के लिए तुंरत आते हैं आगे

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित के मराठी क्विज शो कौन होणार करोड़पति में अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर भुवन बाम गेस्ट के तौर पर शिरकत हुए थे। इस दौरान अभिनेत्री ने मुंबई शहर के प्रति अपने लगाव पर बात की। अभिनेत्री और भुवन बाम



ने मुंबई के लिए अपने प्यार पर बात की, इस दौरान माधुरी दीक्षित ने मुंबई की खूबी पर प्रकाश डाला, जो उनकी नजर में मुंबईकरों को सबसे अलग बनाती है। अभिनेत्री ने बताया कि मुंबई के लोग दिल के बहुत अच्छे होते हैं और हमेशा अपने आसपास के लोगों की मदद के लिए तैयार रहते हैं। शो के दौरान माधुरी दीक्षित अभिनेता भुवन बाम से पूछती हैं, आपको मुंबई में क्या पसंद हैं? , भुवन बाम कहते हैं, यहां के लोग। माधुरी दीक्षित भुवन बाम की बात से सहमती जताते हुए कहती हैं, यहां के लोग मदद के लिए तुरंत आगे आते हैं और यहां बहुत अपनापन है। भुवन तुरंत उनकी बात से सहमत हो गए और बोले, सौ प्रतिशत। इसके बाद माधुरी ने सीटी बजाई और मुंबईकरों को सलाम करते हुए अपना हाथ उठाया। बता दें कि माधुरी दीक्षित का पालन–पोषण मुंबई में ही हुआ है और उनका बचपन शहर के अंधेरी इलाके में बीता है। बाद में उन्होंने विले पार्ले में कॉलेज की पढ़ाई की और फिर बॉलीवुड में अपना करियर बनाया। शादी के बाद माधुरी अमेरिका चली गईं और अपने बच्चों की परवरिश के दौरान कई साल तक मुंबई से दूर रहीं। बाद में वह वापस शहर लौट आईं और भारतीय मनोरंजन जगत में अपने पेशेवर सफर को फिर से शुरू किया। मराठी सिनेमा के साथ माधुरी दीक्षित के जुड़ाव की बात करें तो उन्होंने बकेट लिस्ट से मराठी फिल्मों में डेब्यू किया था और तब से मराठी सिनेमा के साथ उनका जुड़ाव और मजबूत होता गया है। उन्होंने अपने पति डॉ. श्रीराम नेने के साथ प्रोड्यूसर के तौर पर भी काम किया और 15 अगस्त और पंचक जैसे प्रोजेक्ट्स को बैक किया। वह एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर के तौर पर हिंदी और मराठी सिनेमा में लगातार सक्रिय हैं।